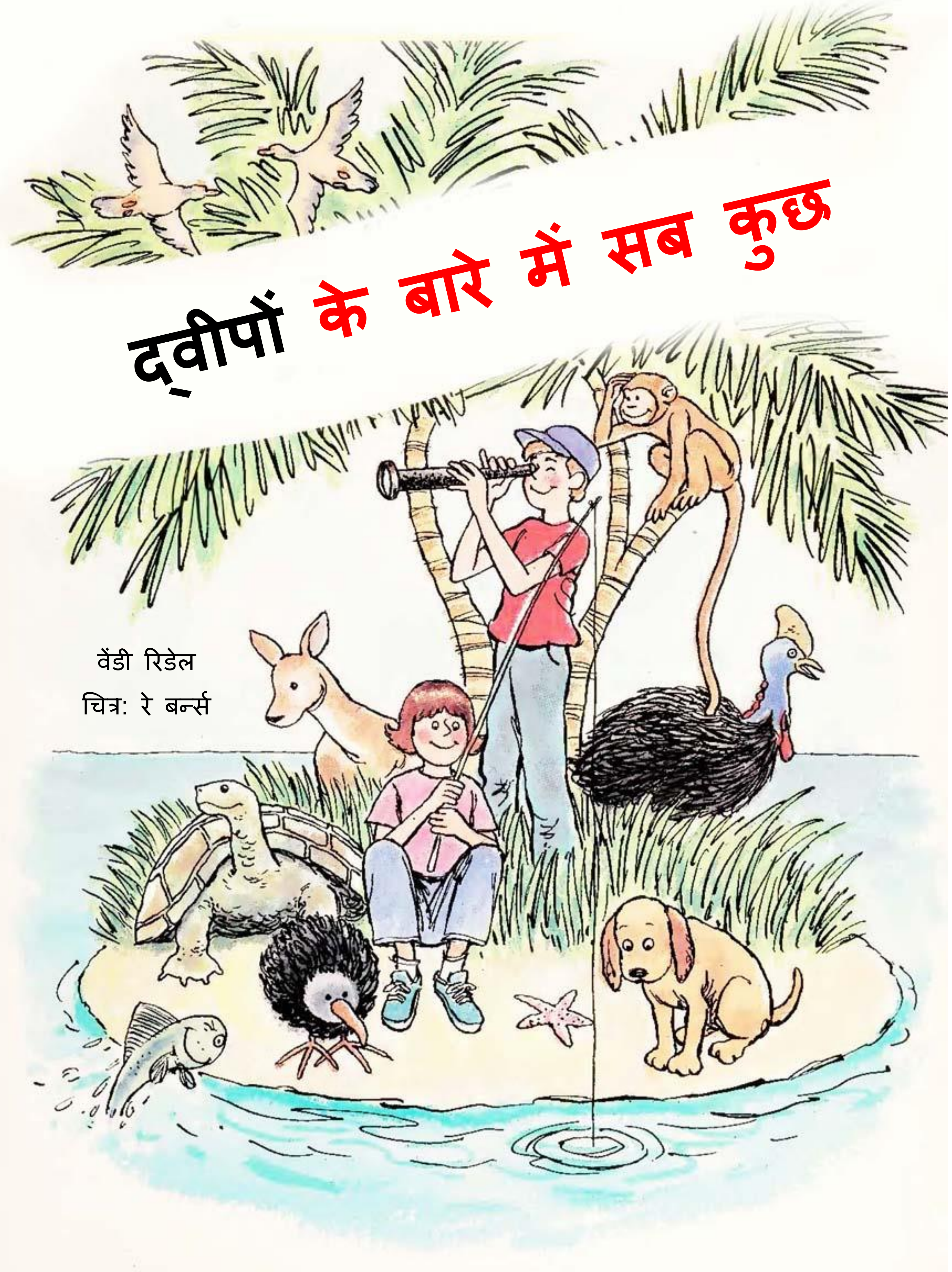
द्वीपों के बारे में सब कुछ



वेंडी रिडेल
चित्र: रे बर्न्स

द्वीपों के बारे में सब कुछ

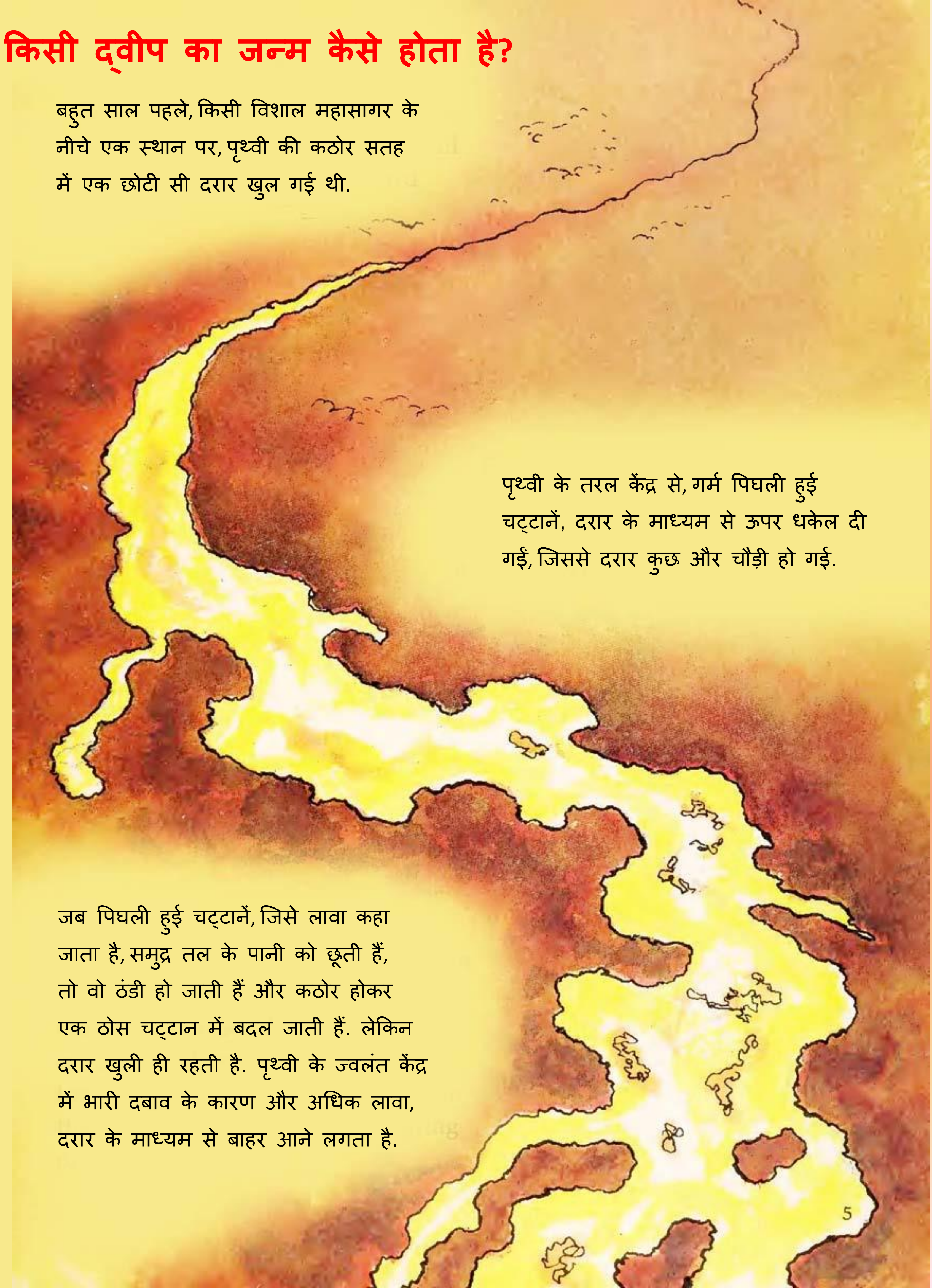


वेंडी रिडेल

चित्र: रे बर्न्स

किसी द्वीप का जन्म कैसे होता है?

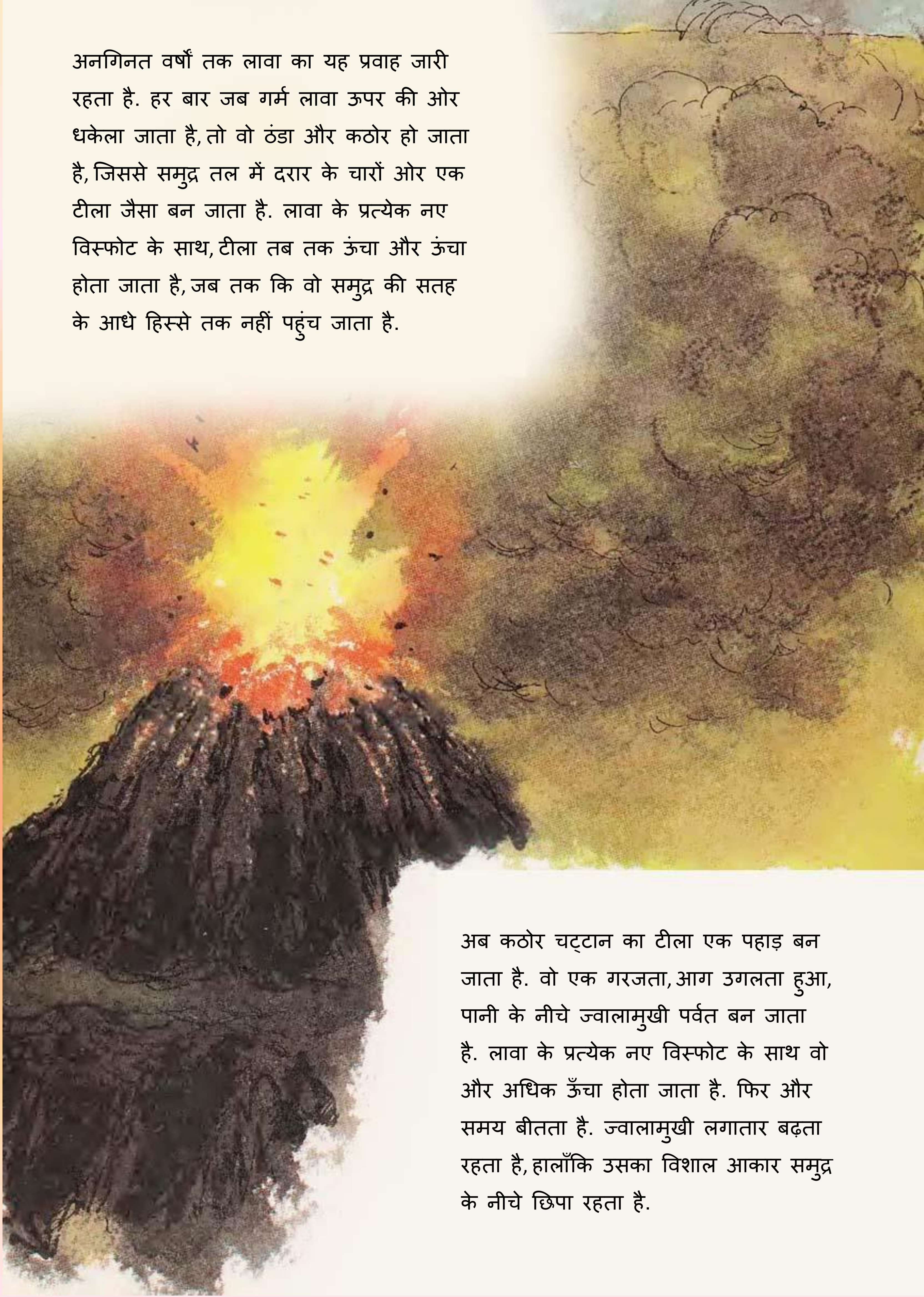
बहुत साल पहले, किसी विशाल महासागर के नीचे एक स्थान पर, पृथ्वी की कठोर सतह में एक छोटी सी दरार खुल गई थी.



पृथ्वी के तरल केंद्र से, गर्म पिघली हुई चट्टानें, दरार के माध्यम से ऊपर धकेल दी गईं, जिससे दरार कुछ और चौड़ी हो गई.

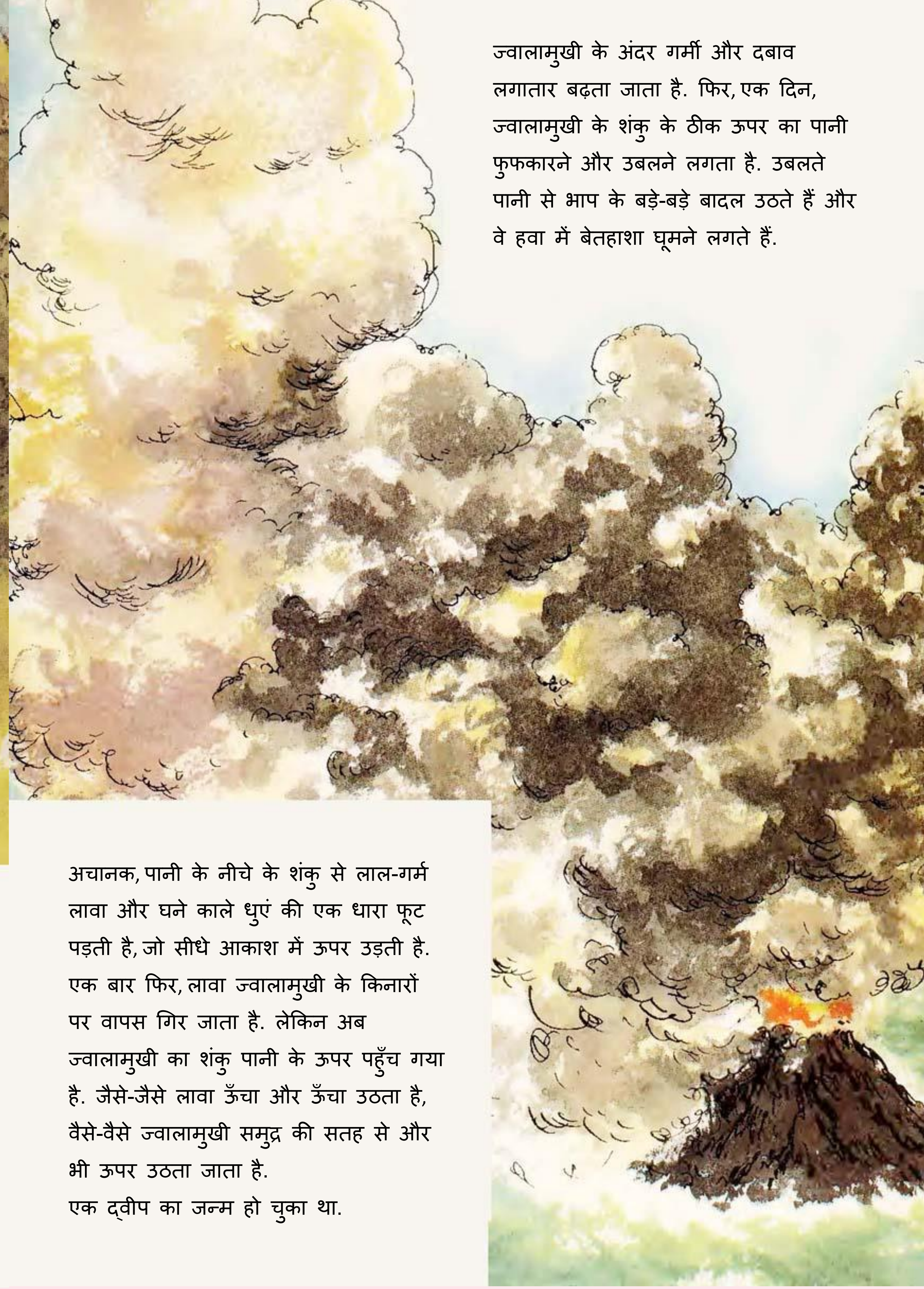
जब पिघली हुई चट्टानें, जिसे लावा कहा जाता है, समुद्र तल के पानी को छूती हैं, तो वो ठंडी हो जाती हैं और कठोर होकर एक ठोस चट्टान में बदल जाती हैं. लेकिन दरार खुली ही रहती है. पृथ्वी के ज्वलंत केंद्र में भारी दबाव के कारण और अधिक लावा, दरार के माध्यम से बाहर आने लगता है.

अनगिनत वर्षों तक लावा का यह प्रवाह जारी रहता है. हर बार जब गर्म लावा ऊपर की ओर धकेला जाता है, तो वो ठंडा और कठोर हो जाता है, जिससे समुद्र तल में दरार के चारों ओर एक टीला जैसा बन जाता है. लावा के प्रत्येक नए विस्फोट के साथ, टीला तब तक ऊंचा और ऊंचा होता जाता है, जब तक कि वो समुद्र की सतह के आधे हिस्से तक नहीं पहुंच जाता है.



अब कठोर चट्टान का टीला एक पहाड़ बन जाता है. वो एक गरजता, आग उगलता हुआ, पानी के नीचे ज्वालामुखी पर्वत बन जाता है. लावा के प्रत्येक नए विस्फोट के साथ वो और अधिक ऊँचा होता जाता है. फिर और समय बीतता है. ज्वालामुखी लगातार बढ़ता रहता है, हालाँकि उसका विशाल आकार समुद्र के नीचे छिपा रहता है.

ज्वालामुखी के अंदर गर्मी और दबाव लगातार बढ़ता जाता है. फिर, एक दिन, ज्वालामुखी के शंकु के ठीक ऊपर का पानी फुफकारने और उबलने लगता है. उबलते पानी से भाप के बड़े-बड़े बादल उठते हैं और वे हवा में बेतहाशा घूमने लगते हैं.

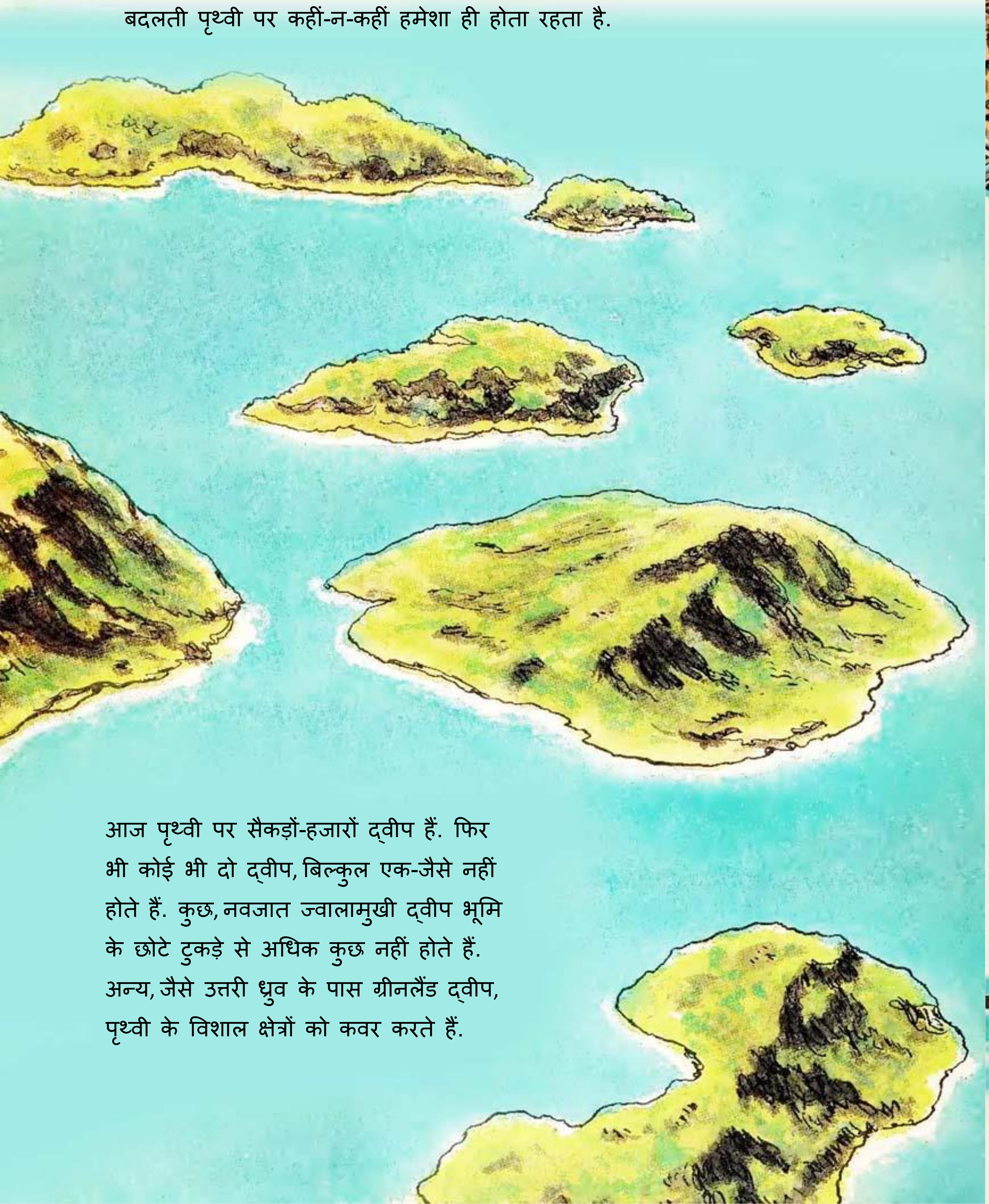


अचानक, पानी के नीचे के शंकु से लाल-गर्म लावा और घने काले धुएं की एक धारा फूट पड़ती है, जो सीधे आकाश में ऊपर उड़ती है. एक बार फिर, लावा ज्वालामुखी के किनारों पर वापस गिर जाता है. लेकिन अब ज्वालामुखी का शंकु पानी के ऊपर पहुँच गया है. जैसे-जैसे लावा ऊँचा और ऊँचा उठता है, वैसे-वैसे ज्वालामुखी समुद्र की सतह से और भी ऊपर उठता जाता है.

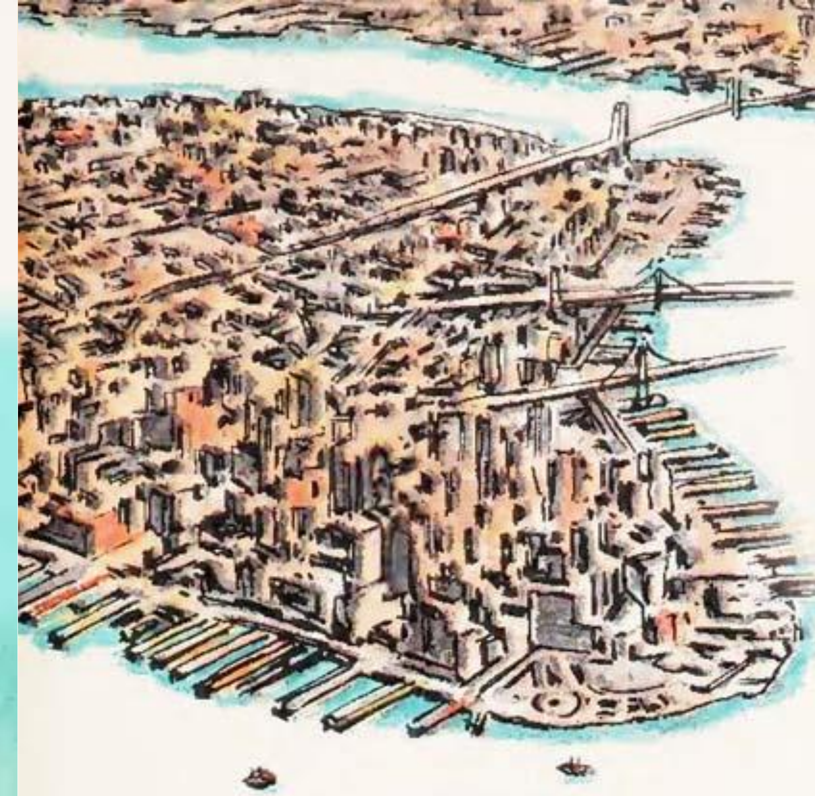
एक द्वीप का जन्म हो चुका था.

वहां किस प्रकार के द्वीप हैं?

किसी ज्वालामुखीय द्वीप का उग्र जन्म, प्रकृति के महानतम दृश्यों में से एक है. लेकिन कम शानदार द्वीपों का निर्माण हमारी लगातार बदलती पृथ्वी पर कहीं-न-कहीं हमेशा ही होता रहता है.



आज पृथ्वी पर सैकड़ों-हजारों द्वीप हैं. फिर भी कोई भी दो द्वीप, बिल्कुल एक-जैसे नहीं होते हैं. कुछ, नवजात ज्वालामुखी द्वीप भूमि के छोटे टुकड़े से अधिक कुछ नहीं होते हैं. अन्य, जैसे उत्तरी ध्रुव के पास ग्रीनलैंड द्वीप, पृथ्वी के विशाल क्षेत्रों को कवर करते हैं.

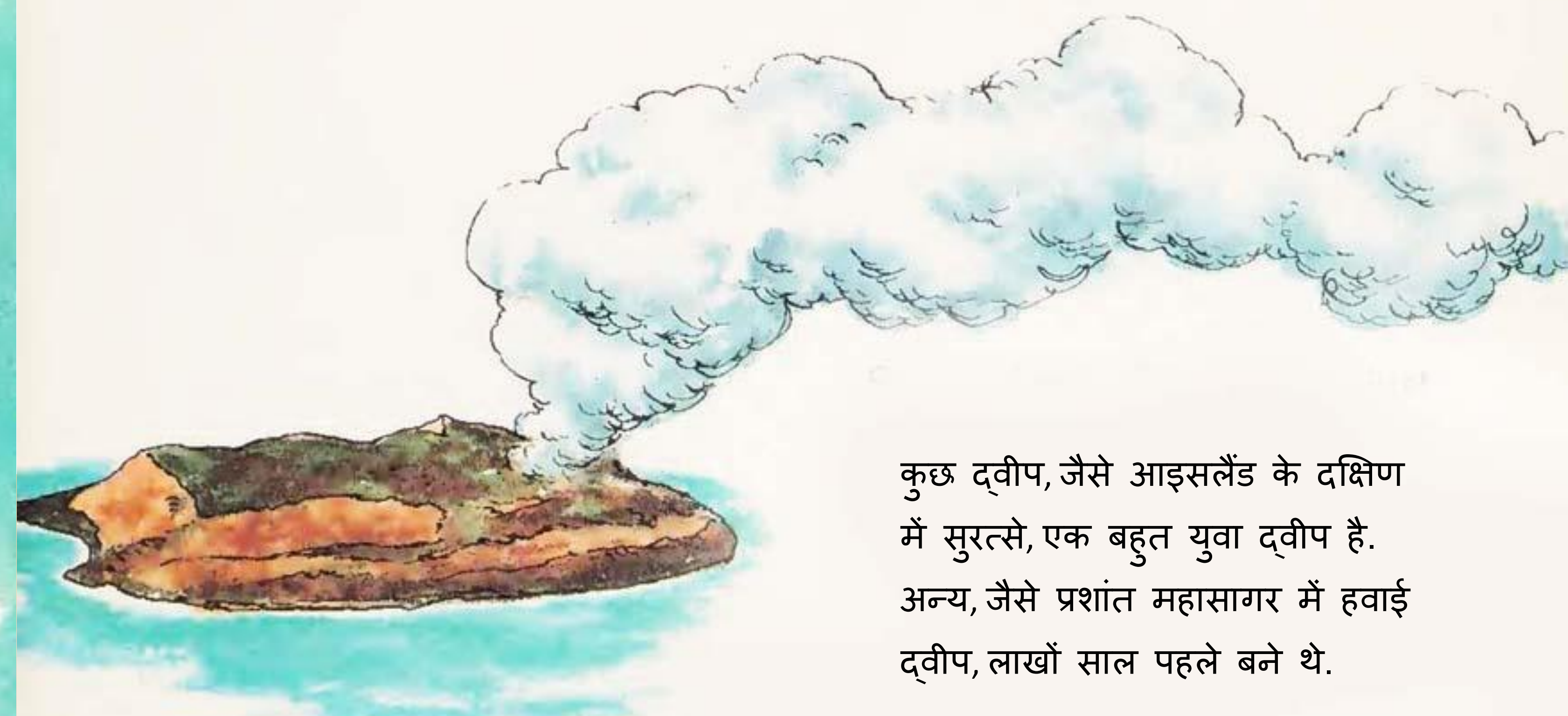




समुद्री पक्षियों के यदा-कदा आगमन को छोड़कर, कुछ द्वीप निर्जन होते हैं. अन्य, जैसे अलास्का के पास प्रिबिलोफ द्वीप, वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित घर होते हैं. फिर भी अन्य द्वीप, जैसे न्यूयॉर्क शहर का मैनहट्टन द्वीप, आज लाखों लोगों का घर बन गया है.



कुछ द्वीप ठंडे और बंजर होते हैं. अन्य द्वीप, जैसे दक्षिण अमेरिकी तट पर गैलापागोस द्वीप समूह, गर्म होते हैं और कई असामान्य प्राणियों से भरे हुए होते हैं.



कुछ द्वीप, जैसे आइसलैंड के दक्षिण में सुरत्से, एक बहुत युवा द्वीप है. अन्य, जैसे प्रशांत महासागर में हवाई द्वीप, लाखों साल पहले बने थे.

कोई द्वीप क्या होता है?

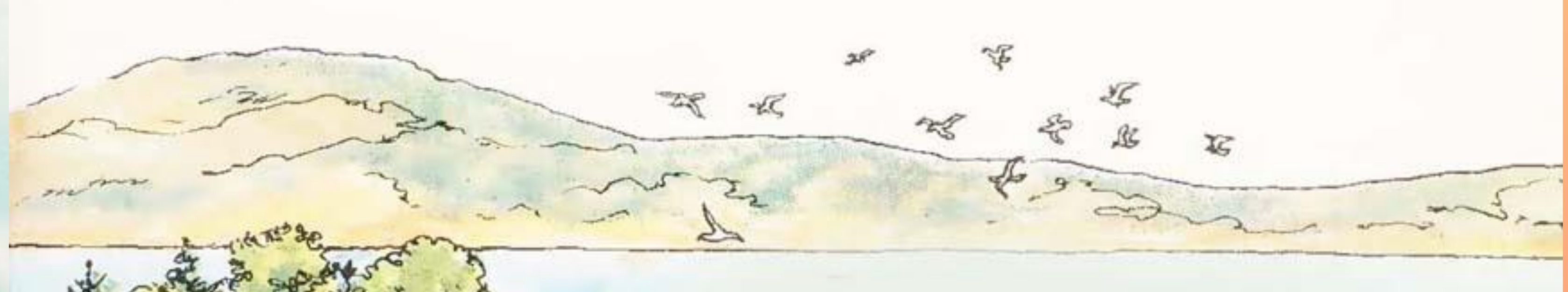


कोई भी द्वीप पानी से घिरा होता है—यही बात उसे एक द्वीप बनाती है. क्योंकि वो ज़मीन से बिल्कुल कटा होता है, इसलिए एक तरह से उसकी एक अलग दुनिया होती है. प्रत्येक द्वीप एक प्रकार की "जीवित प्रयोगशाला" होता है, जिसका अपना विशेष आकार और आकृति होती है. अक्सर, उसकी अपनी विशेष जलवायु और अपने विशेष प्रकार के पौधे और जानवर भी होते हैं.

नदी द्वीप क्या होता है?



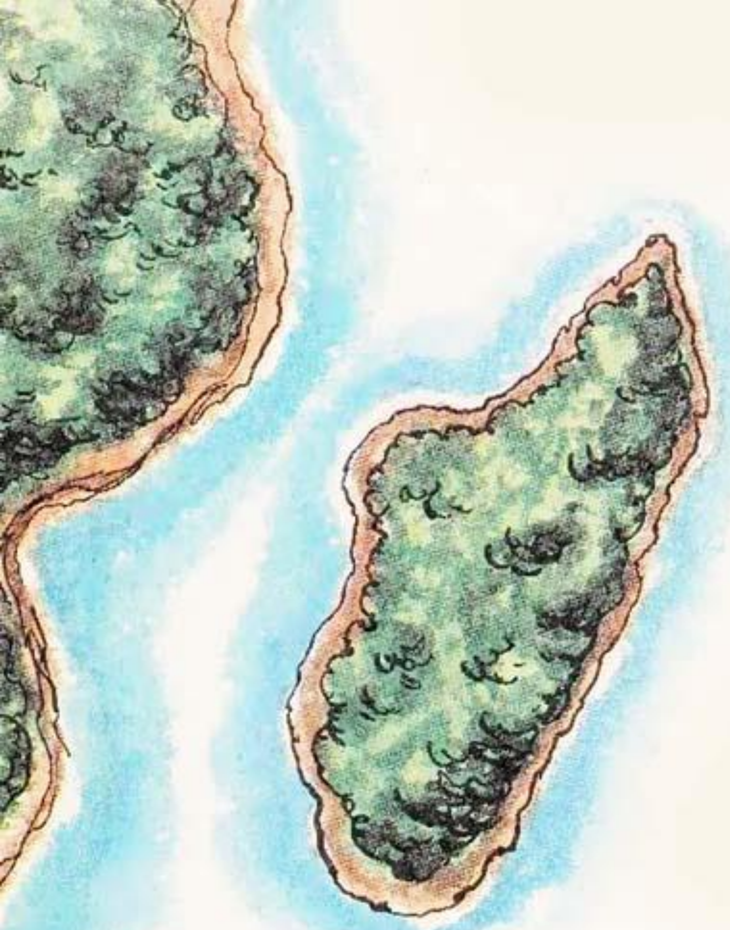
किसी द्वीप की विशेष अनोखी दुनिया एक अंतर्देशीय द्वीप हो सकती है. अंतर्देशीय द्वीप पानी से घिरे हुए होते हैं, और उनका पानी ज़मीन से घिरा होता है. उदाहरण के लिए, कुछ अंतर्देशीय द्वीप, नदी द्वीप होते हैं. एक नदी द्वीप तब बन सकता है जब कठोर पृथ्वी, नदी को अपने चारों ओर बहने के लिए मजबूर करे, जिससे भूमि सूख जाती है, लेकिन वो पानी से घिरी रहती है. या फिर नदी द्वीप कई वर्षों तक गिरी मिट्टी और रेत से बन सकता है जो नदी के पानी के साथ बहकर उन स्थान पर आ जाती हो जहां नदी का तल बहुत उथला होता है.





झील-द्वीप क्या होता है?

कुछ अंतर्देशीय द्वीप, झील-द्वीप होते हैं. हो सकता है कि किसी शक्तिशाली भूकंप के झटके से झील का द्वीप, झील के तल से ऊपर उठ गया हो. या फिर वो तब खड़ा हुआ हो जब हजारों साल पहले किसी महान हिमयुग ग्लेशियर ने आसपास की धरती को दूर धकेला हो. फिर ग्लेशियर पिघलकर झील बन गया हो.



तटीय द्वीप क्या होता है?

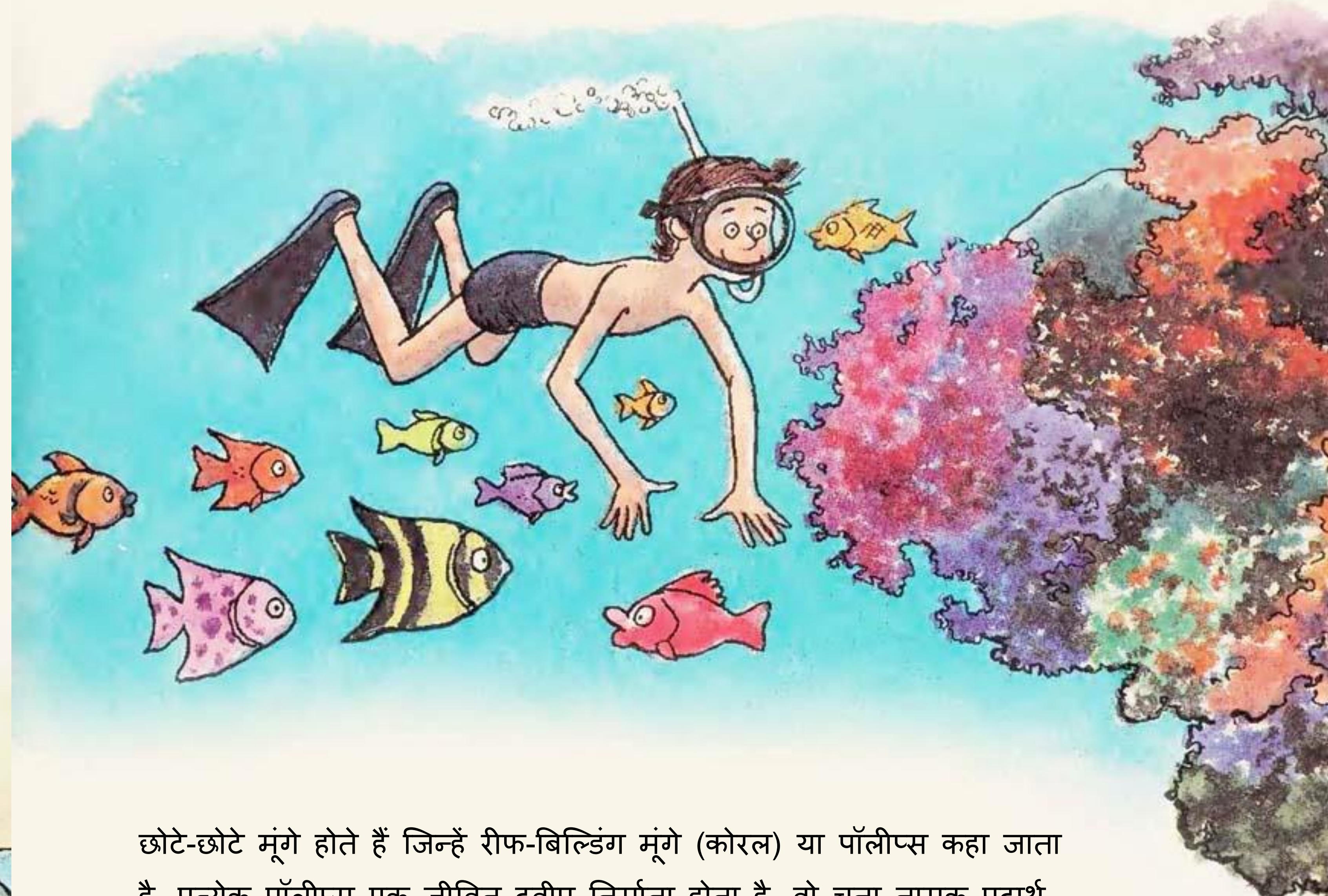
तटीय द्वीप, बड़े भू-भाग के तटों के पास स्थित होते हैं जिन्हें महाद्वीप कहा जाता है. ये द्वीप, भूमि के टुकड़े हो सकते हैं जो भूकंप या हवा और लहरों के लगातार थपेड़ों के कारण मुख्य भूमि से कट गए हों. हो सकता है कि वे महाद्वीपीय शेल्फ - अधिकांश महाद्वीपों के आसपास की पानी के नीचे की भूमि से ऊपर उठ गए हों. या वे रेत और गाद की छड़ें हो सकती हैं, जो बदलते ज्वार द्वारा बनती हों, और जो अक्सर तटीय समुद्र तटों के आसपास घूमती रहती हैं.



समुद्री द्वीप क्या होता है?

विश्व के अधिकांश द्वीप किसी भी भूमि से बहुत दूर स्थित होते हैं. इन्हें समुद्री द्वीप कहा जाता है. कोई समुद्री द्वीप एक ज्वालामुखी का शिखर हो सकता है जो समुद्र तल से ऊपर उठ गया हो. या वे मूंगा (कोरल) नामक अनगिनत छोटे समुद्री जीवों के कठोर कंकाल की चट्टान हो सकते हैं.

मूंगे (कोरल) द्वीप को कैसे बनाते हैं?



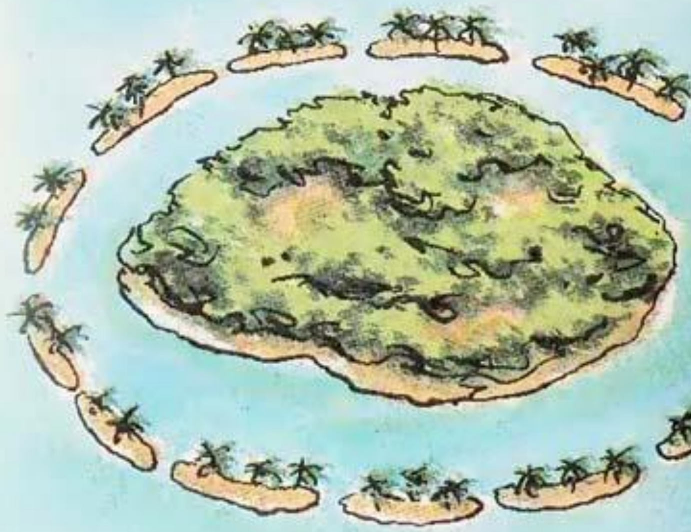
छोटे-छोटे मूंगे होते हैं जिन्हें रीफ-बिल्डिंग मूंगे (कोरल) या पॉलीप्स कहा जाता है. प्रत्येक पॉलीप्स एक जीवित द्वीप निर्माता होता है. वो चूना नामक पदार्थ का उत्पादन करता है, जो पॉलीप के शरीर के चारों ओर एक कठोर, कंकाल जैसी सुरक्षा बनाता है. चट्टान बनाने वाले मूंगे, ज्वालामुखीय द्वीप के तट के पास उथले पानी में चट्टानों से एक किनारे की तरह जुड़ जाते हैं.

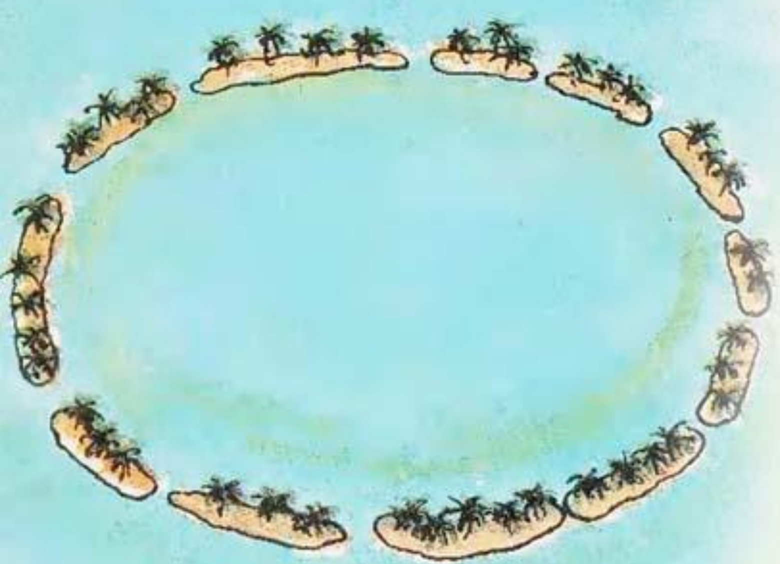


जब पॉलीप्स मर जाते हैं, तो उनके कठोर कंकाल पानी के नीचे की चट्टानों से जुड़े रहते हैं. नए पॉलीप्स खुद को कंकालों से जोड़ लेते हैं. जब वे मर जाते हैं, तो मूंगे (कोरल) वाला किनारा मोटा हो जाता है. इस प्रकार की मूंगा संरचना को "फ्रिंजिंग रीफ" के रूप में भी जाना जाता है.

बैरियर रीफ क्या होता है?

कभी-कभी कोई ज्वालामुखी द्वीप, समुद्र तल की ओर डूबने लगता है. जैसे-जैसे भूमि धँसती है, मूंगे का निर्माण ऊपर की ओर बढ़ता रहता है. उससे मूंगा चट्टान, शांत पानी के एक विस्तृत विस्तार द्वारा द्वीप से अलग हो जाती है. चट्टान, समुद्र और द्वीप के चारों ओर शांत पानी के बीच एक अवरोध बनाती है. इसे बैरियर रीफ कहा जाता है.





एटोल क्या होता है?

जैसे-जैसे समय बीतता है, बैरियर रीफ से घिरा एक द्वीप पूरी तरह से समुद्र के नीचे गायब हो सकता है. बैरियर रीफ बढ़ना जारी रहता है. अब वो एक शांत लैगून के चारों ओर एक गोला (रिंग) बनाती है. इस प्रकार की मूंगा (कोरल) संरचना को "एटोल" कहा जाता है

फिर भी, प्रकृति की शक्तियाँ कभी स्थिर नहीं रहतीं. भले ही कोरल पॉलीप्स की नई पीढ़ियाँ एटोल का निर्माण करती रहती हैं, समुद्र की शक्तिशाली लहरें उसे नष्ट भी करती रहती हैं. अंततः वे एटोल को अलग-अलग मूंगा द्वीपों की एक श्रृंखला में विभाजित कर देती हैं. एक दिन, ये छोटे द्वीप भी - जो जीवित द्वीप निर्माताओं द्वारा बनाए गए थे - समुद्र की सतह के नीचे गायब हो सकते हैं.

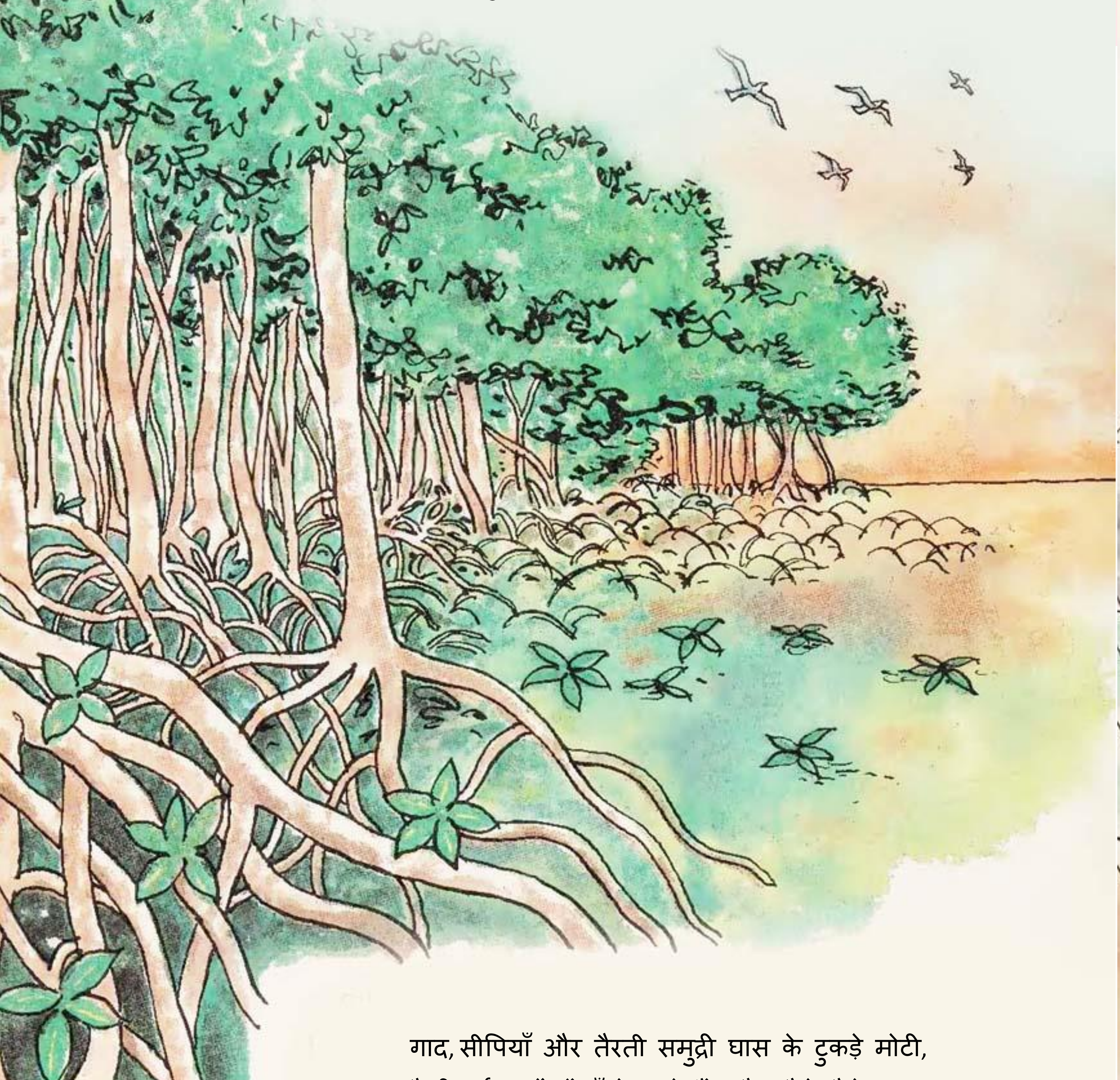
क्या पौधे द्वीप बना सकते हैं?

हाँ. एक जीवित द्वीप निर्माता एक अद्भुत "चलने वाला" पेड़ होता है जिसे "मैंग्रोव" कहते हैं. मैंग्रोव आमतौर पर गर्म जलवायु में उगते हैं जहां नदियाँ गर्म जलवायु में बहती हैं.



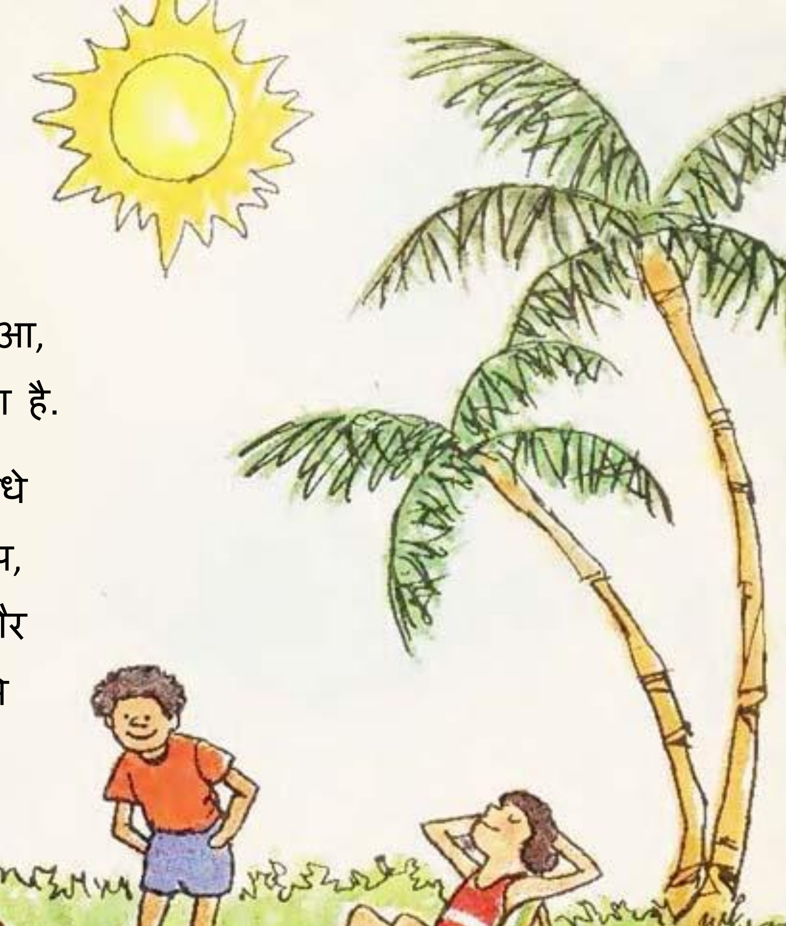
मैंग्रोव, छोटे पौधों के रूप में शुरू होते हैं जो गर्म, उथले पानी में जड़ें जमाते हैं. लेकिन बहुत तेजी से वे कई पत्तेदार शाखाएँ उगाते हैं जो अपनी जड़ें बाहर निकालती हैं. ये नई जड़ें, जिन्हें "प्रोप जड़ें" कहा जाता है, फैलती हुई शाखाओं से नीचे पहुंचती हैं.

कुछ ही वर्षों में, सैकड़ों "प्रोप जड़ें" सभी दिशाओं में फैल जाती हैं. हर पेड़ मोटा और मजबूत होता जाता है. हर कोई उथले पानी में दूर तक पहुंचता है, जैसे कि मैंग्रोव पेड़ "चल रहा हो".



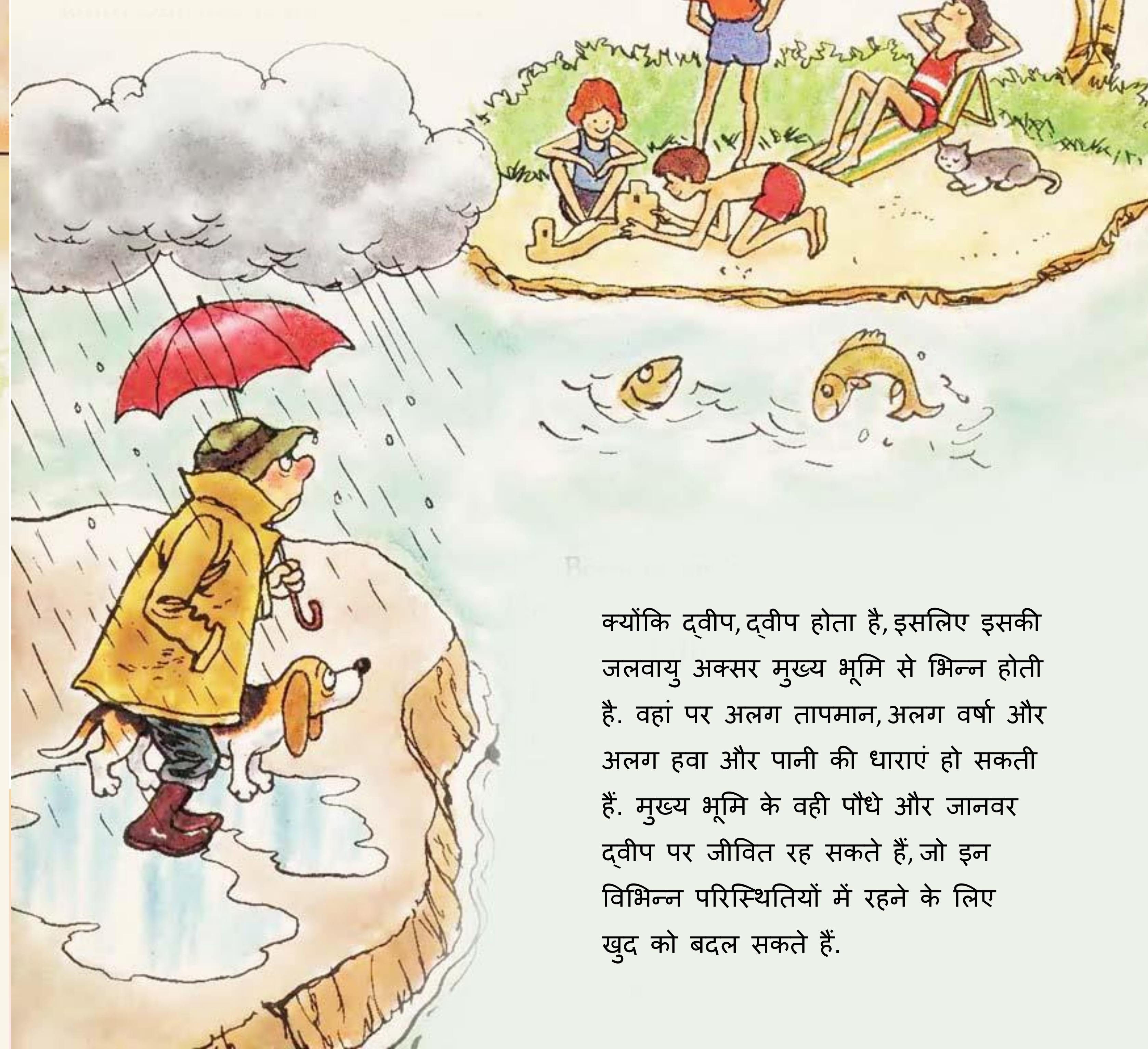
गाद, सीपियाँ और तैरती समुद्री घास के टुकड़े मोटी, फैली हुई जड़ों में फँसे रहते हैं. और जैसे-जैसे समय बीतता है, उपजाऊ मिट्टी के चौड़े टुकड़े बनते जाते हैं. इस मिट्टी में अन्य मैंग्रोव बीज उगते हैं और वे भी बढ़ते और फैलते हैं. पेड़ और उनके चारों ओर बनी मिट्टी एक मैंग्रोव द्वीप बन जाती है.

द्वीप पर कौन सी जीवित चीज़े रहती हैं?



इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसका निर्माण कैसे हुआ, कोई भी द्वीप आमतौर पर जीवित चीजों का घर होता है.

एक नदी द्वीप में अक्सर उसी प्रकार के फूल और पौधे होते हैं जो पास के नदी तटों पर उगते हैं. तटीय द्वीप, भूमि के काफी करीब होते हैं, इसलिए उनमें भी आमतौर पर वही पौधे, कीड़े और जानवर होते हैं जो मुख्य भूमि पर पाए जाते हैं. लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता है.



क्योंकि द्वीप, द्वीप होता है, इसलिए इसकी जलवायु अक्सर मुख्य भूमि से भिन्न होती है. वहां पर अलग तापमान, अलग वर्षा और अलग हवा और पानी की धाराएं हो सकती हैं. मुख्य भूमि के वही पौधे और जानवर द्वीप पर जीवित रह सकते हैं, जो इन विभिन्न परिस्थितियों में रहने के लिए खुद को बदल सकते हैं.

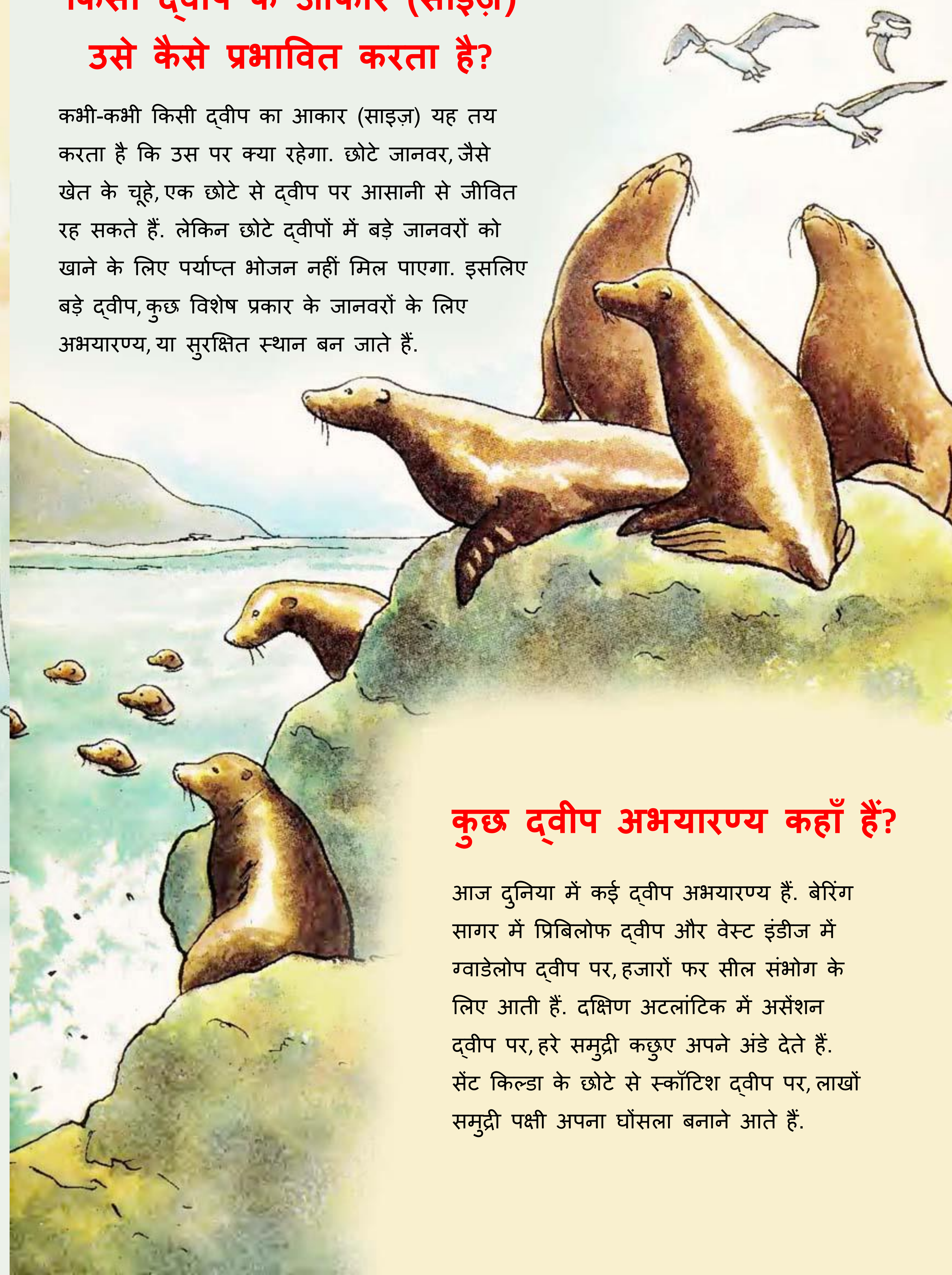
जलवायु ने "स्किली" द्वीपसमूह को किस प्रकार प्रभावित किया है?



इंग्लैंड के पास स्किली द्वीप, समुद्र के पानी की गर्म धारा के ठीक रास्ते में हैं. यह धारा द्वीपों के ऊपर की हवा को गर्म कर देती है और उन्हें लगभग उष्णकटिबंधीय जलवायु प्रदान करती है. उसके परिणामस्वरूप, ताड़ के पेड़, केले और अन्य उष्णकटिबंधीय पौधे इन असामान्य द्वीपों पर उगते हैं. लेकिन वही पौधे केवल 25 मील (40 किलोमीटर) दूर इंग्लैंड के ठंडे द्वीप पर कभी जीवित नहीं रह सकते.

किसी द्वीप के आकार (साइज़) उसे कैसे प्रभावित करता है?

कभी-कभी किसी द्वीप का आकार (साइज़) यह तय करता है कि उस पर क्या रहेगा. छोटे जानवर, जैसे खेत के चूहे, एक छोटे से द्वीप पर आसानी से जीवित रह सकते हैं. लेकिन छोटे द्वीपों में बड़े जानवरों को खाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाएगा. इसलिए बड़े द्वीप, कुछ विशेष प्रकार के जानवरों के लिए अभयारण्य, या सुरक्षित स्थान बन जाते हैं.



कुछ द्वीप अभयारण्य कहाँ हैं?

आज दुनिया में कई द्वीप अभयारण्य हैं. बेरिंग सागर में प्रिबिलोफ द्वीप और वेस्ट इंडीज में ग्वाडेलोप द्वीप पर, हजारों फर सील संभोग के लिए आती हैं. दक्षिण अटलांटिक में असेंशन द्वीप पर, हरे समुद्री कछुए अपने अंडे देते हैं. सेंट किल्डा के छोटे से स्कॉटिश द्वीप पर, लाखों समुद्री पक्षी अपना घोंसला बनाने आते हैं.

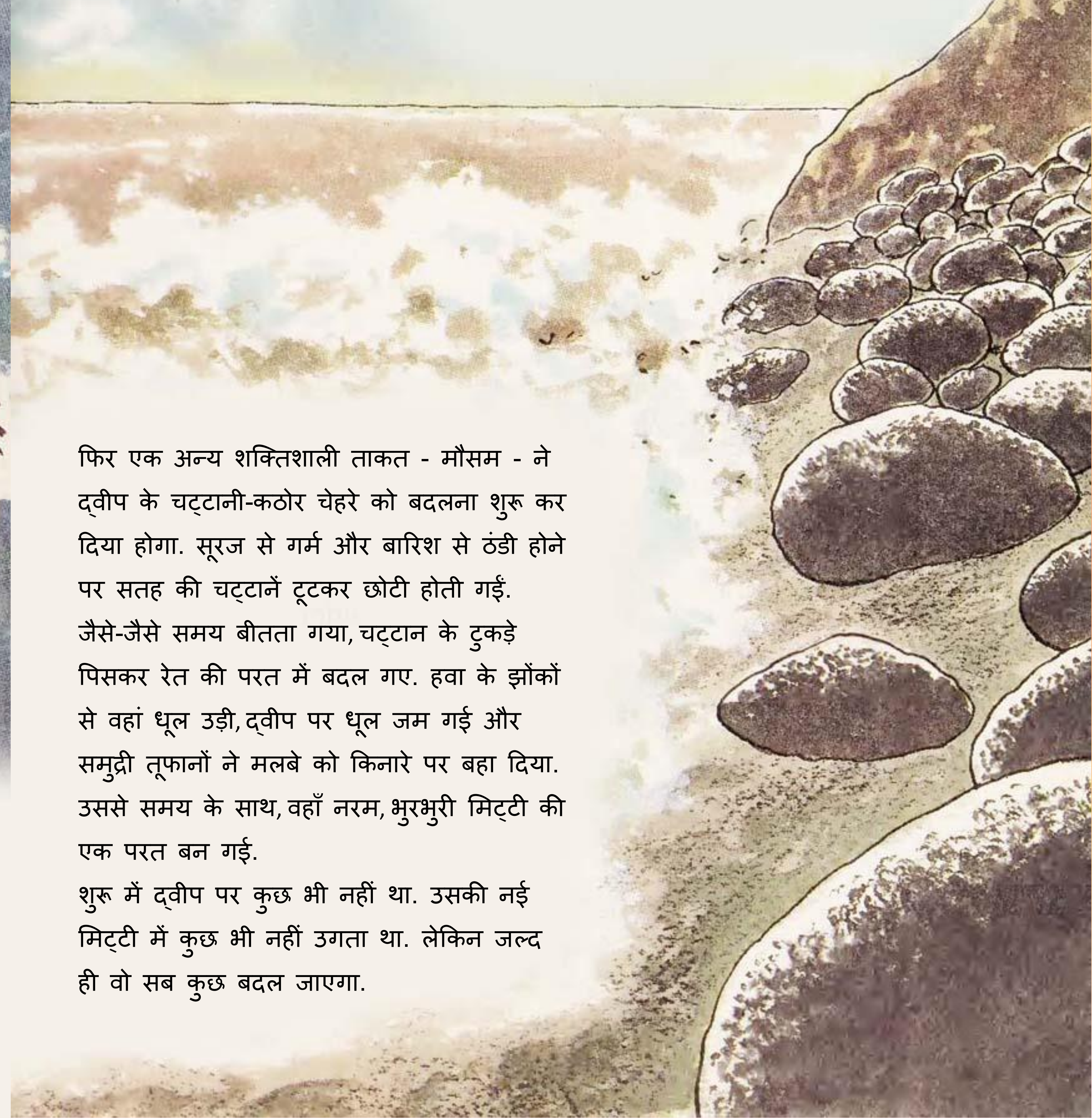
पौधे और जानवर किसी द्वीप पर कैसे पहुँचते हैं?

पौधे और जानवर मुख्य भूमि से अंतर्देशीय और तटीय द्वीपों तक आसानी से तैर सकते हैं, या फिर उड़कर जा सकते हैं. लेकिन पौधे और जानवर उन द्वीपों तक कैसे पहुंचते हैं जो भूमि से बहुत दूर हैं?



महासागरीय द्वीप, लहरदार समुद्र के विशाल विस्तार से घिरे हुए होते हैं. और ये अलग-थलग स्थान भी जीवन से भरे हुए होते हैं. अक्सर, वे दुनिया की जीवित प्रयोगशालाओं में सबसे दिलचस्प होते हैं. आइए एक नवजात ज्वालामुखी द्वीप पर जाएँ और जानें कि जीवन उस तक कैसे पहुँचता होगा.

अपने उग्र जन्म के बाद लंबे समय तक, ज्वालामुखीय द्वीप समुद्र के बीच में चट्टान के एक छोटे से बिंदु से ज्यादा कुछ नहीं था. ज्वालामुखी के शंकु से बाहर निकलते ही प्रचंड लहरें, लावा की प्रत्येक नई परत को बहा ले गईं होंगी. लेकिन कुछ लावा वहां पर रह गया होगा. वो लावा ठंडा होकर कठोर होकर काली ज्वालामुखी चट्टान में परिवर्तित हो गया होगा.

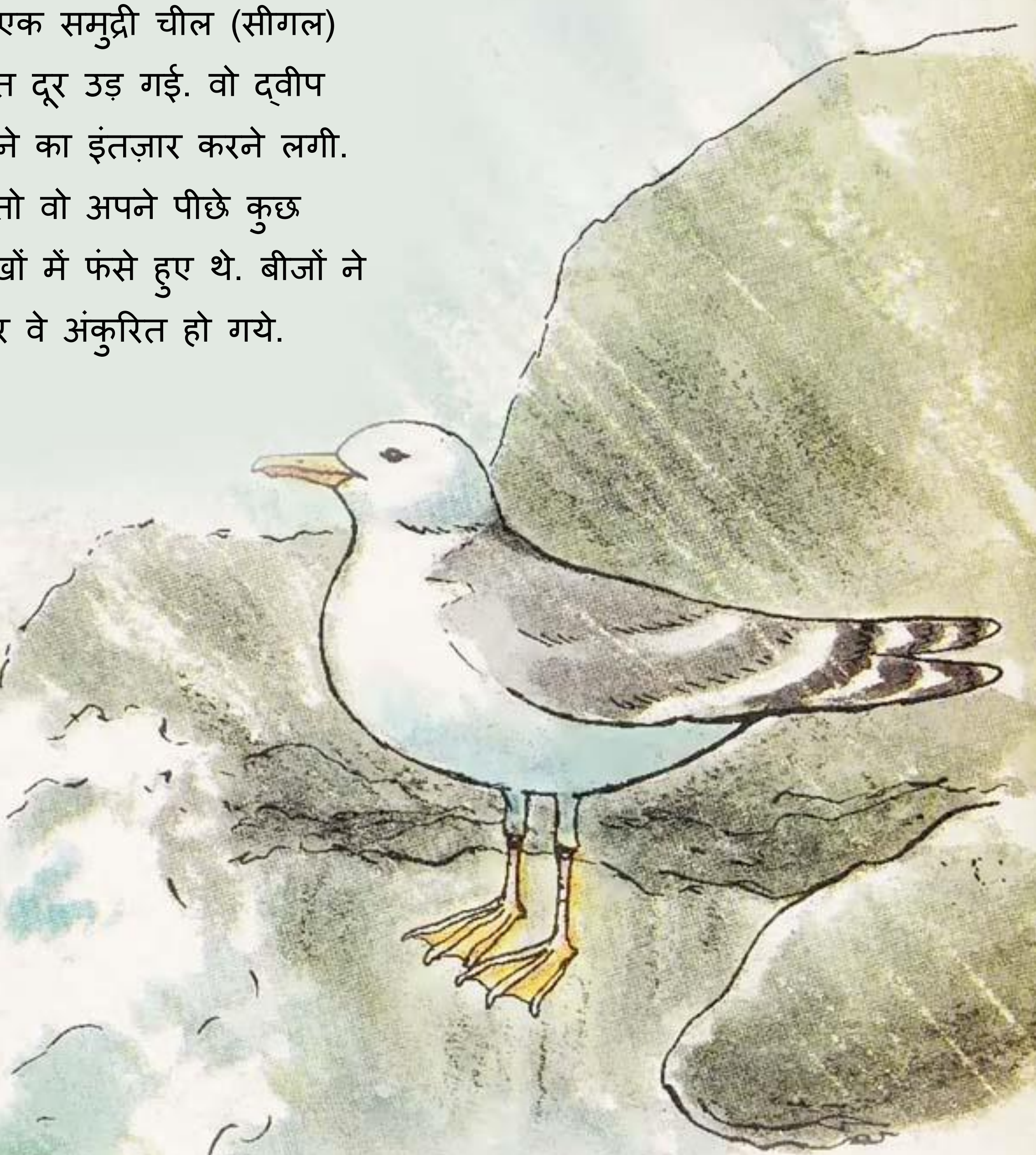


फिर एक अन्य शक्तिशाली ताकत - मौसम - ने द्वीप के चट्टानी-कठोर चेहरे को बदलना शुरू कर दिया होगा. सूरज से गर्म और बारिश से ठंडी होने पर सतह की चट्टानें टूटकर छोटी होती गईं. जैसे-जैसे समय बीतता गया, चट्टान के टुकड़े पिसकर रेत की परत में बदल गए. हवा के झोंकों से वहां धूल उड़ी, द्वीप पर धूल जम गई और समुद्री तूफानों ने मलबे को किनारे पर बहा दिया. उससे समय के साथ, वहाँ नरम, भुरभुरी मिट्टी की एक परत बन गई.

शुरू में द्वीप पर कुछ भी नहीं था. उसकी नई मिट्टी में कुछ भी नहीं उगता था. लेकिन जल्द ही वो सब कुछ बदल जाएगा.

सबसे पहले क्या आया?

एक दिन, तूफ़ान के कारण एक समुद्री चील (सीगल) अपने सामान्य मार्ग से बहुत दूर उड़ गई. वो द्वीप पर उतरी और तूफ़ान गुज़रने का इंतज़ार करने लगी. जब समुद्री चील चली गई, तो वो अपने पीछे कुछ बीज छोड़ गई जो उसके पंखों में फंसे हुए थे. बीजों ने मिट्टी में जड़ें जमा लीं और वे अंकुरित हो गये.



कुछ और बीज अन्य तरीकों से द्वीप तक पहुँचे. कुछ दूर के द्वीपों से, वायु धाराओं द्वारा वहां पर पहुंचे होंगे. कुछ को बहती हुई लकड़ी-लट्ठे वहां समुद्र तट पर बहा कर लाए होंगे. समय के साथ, द्वीप पर हरियाली दिखाई देने लगी होगी. वहाँ घास और फर्न और अन्य पौधे उगने लगे जिनके बीज हवा और पानी पर आसानी से तैर सकते थे.

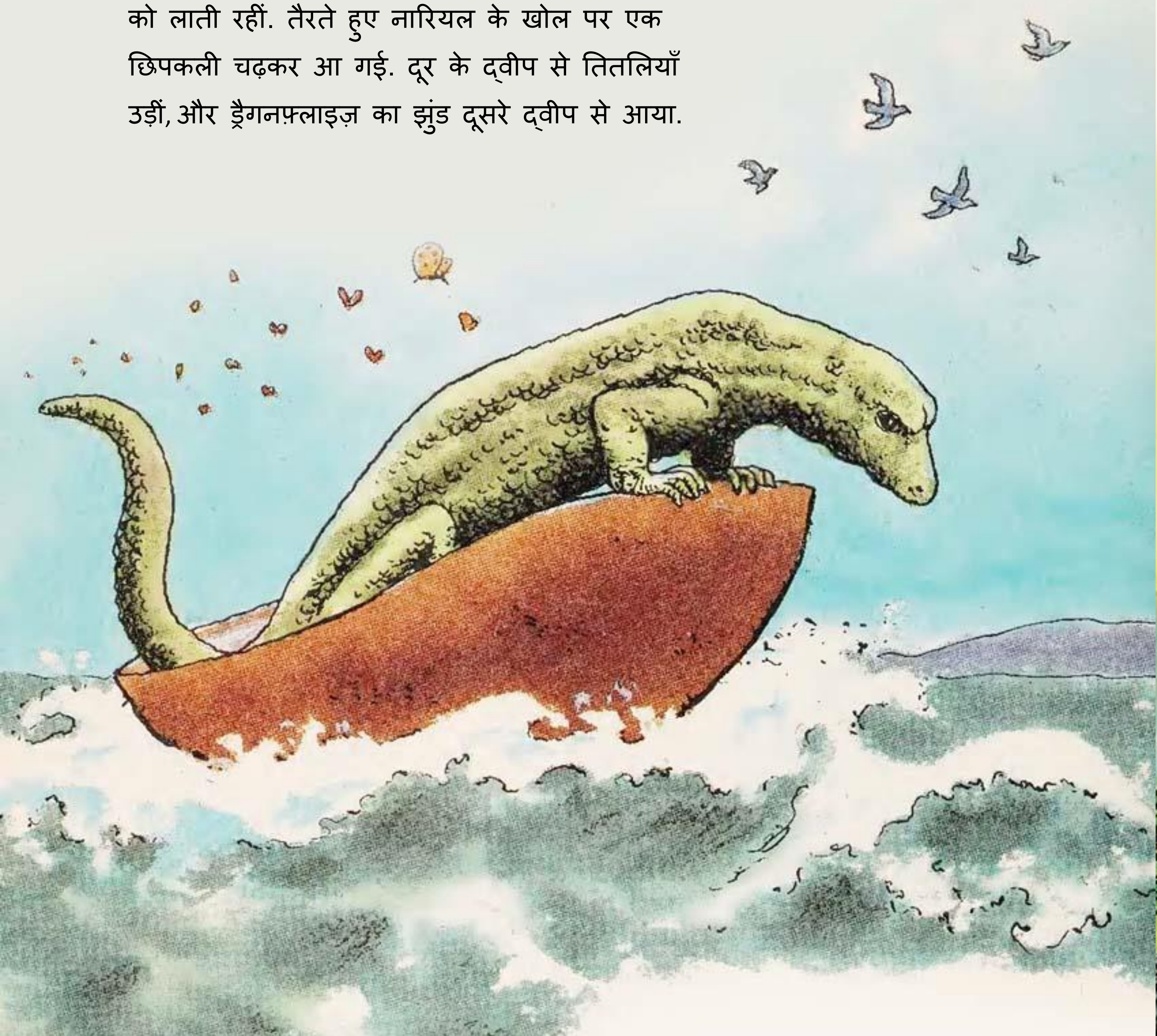
इनमें से कुछ पौधे पहले मर गये होंगे. लेकिन जैसे-जैसे वे सड़ते गए, उन्होंने मिट्टी को और समृद्ध बनाया. और जल्द ही वहां नए बीज अंकुरित हुए और बड़े हुए, जब तक कि द्वीप का अधिकांश भाग पौधों के हरे कालीन से ढक नहीं गया. अब द्वीप अपने पहले पशु जीवन के आगमन के लिए तैयार था.



सबसे पहले कौन से जानवर आए?

एक दिन ताड़ का एक मुड़ा हुआ पत्ता समुद्र तट पर बहकर आया. पत्ता जल्द ही धूप में सड़ गया, लेकिन पत्ते में से उसके यात्री - चींटियों की एक कॉलोनी और अपने शरीर से जुड़ी अंडे की थैली के साथ एक छोटी मकड़ी - सुरक्षित स्थान पर रेंग कर चले गए. समुद्री चील (सीगल) के विपरीत, ये छोटे जीव वहीं रुके रहे. और वे फले-फूले, क्योंकि उनके खाने के लिए वहां पर स्वादिष्ट पत्तियाँ, जड़ें और बीज मौजूद थे.

साल-दर-साल, हवा और लहरें द्वीप पर अधिक प्राणियों को लाती रहीं. तैरते हुए नारियल के खोल पर एक छिपकली चढ़कर आ गई. दूर के द्वीप से तितलियाँ उड़ीं, और ड्रैगनफ़्लाइज़ का झुंड दूसरे द्वीप से आया.



एक प्रचंड तूफ़ान ज़मीन पर घोंघों और भृंगों के एक समूह को लेकर आया, जिन्होंने एक उखड़े हुए आम के पेड़ की शाखा के अंदर शरण ली थी. तूफ़ान के बाद, आम के कुछ बीज अंकुरित हो गए, और द्वीप के पहले पेड़ों ने जड़ें जमा लीं. हवा से उड़कर द्वीप पर आए पक्षियों के झुंड ने पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए.

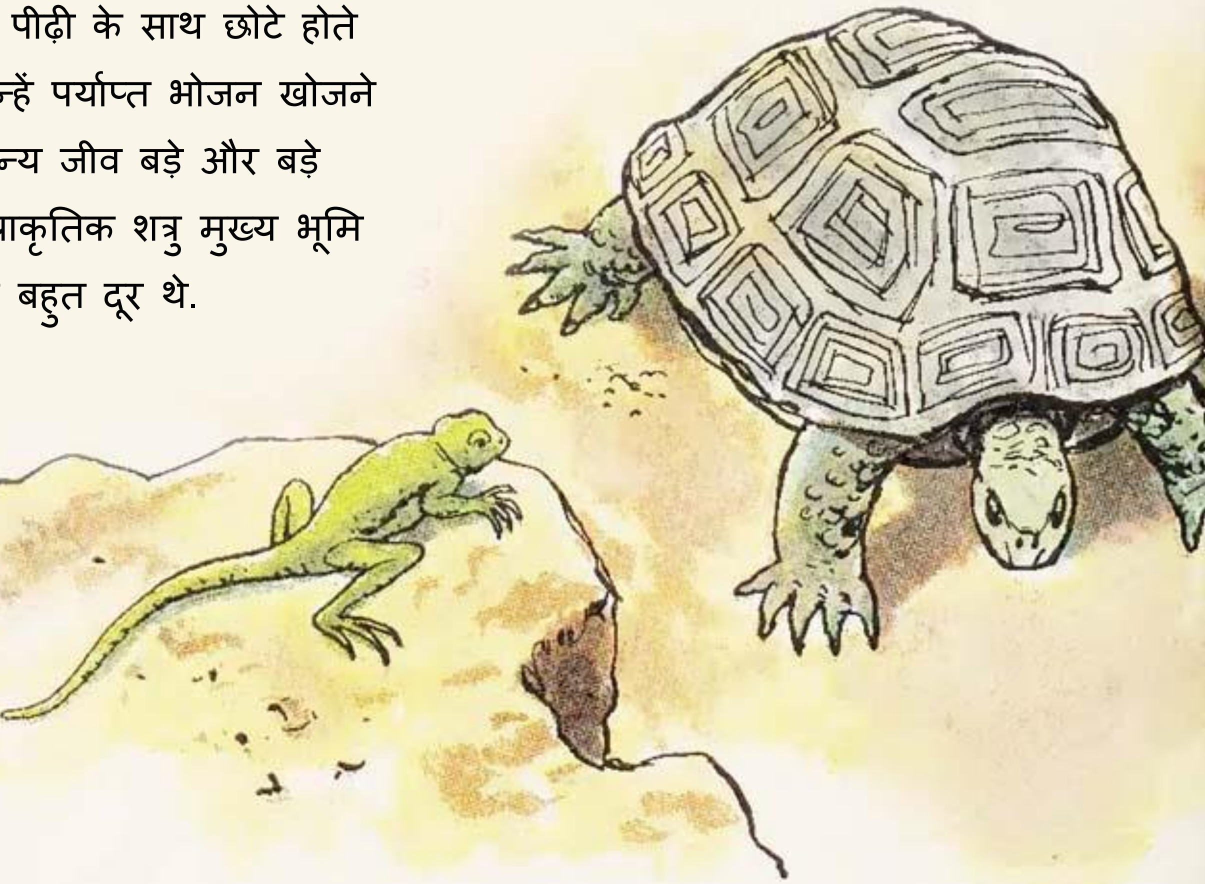
आगे क्या हुआ?

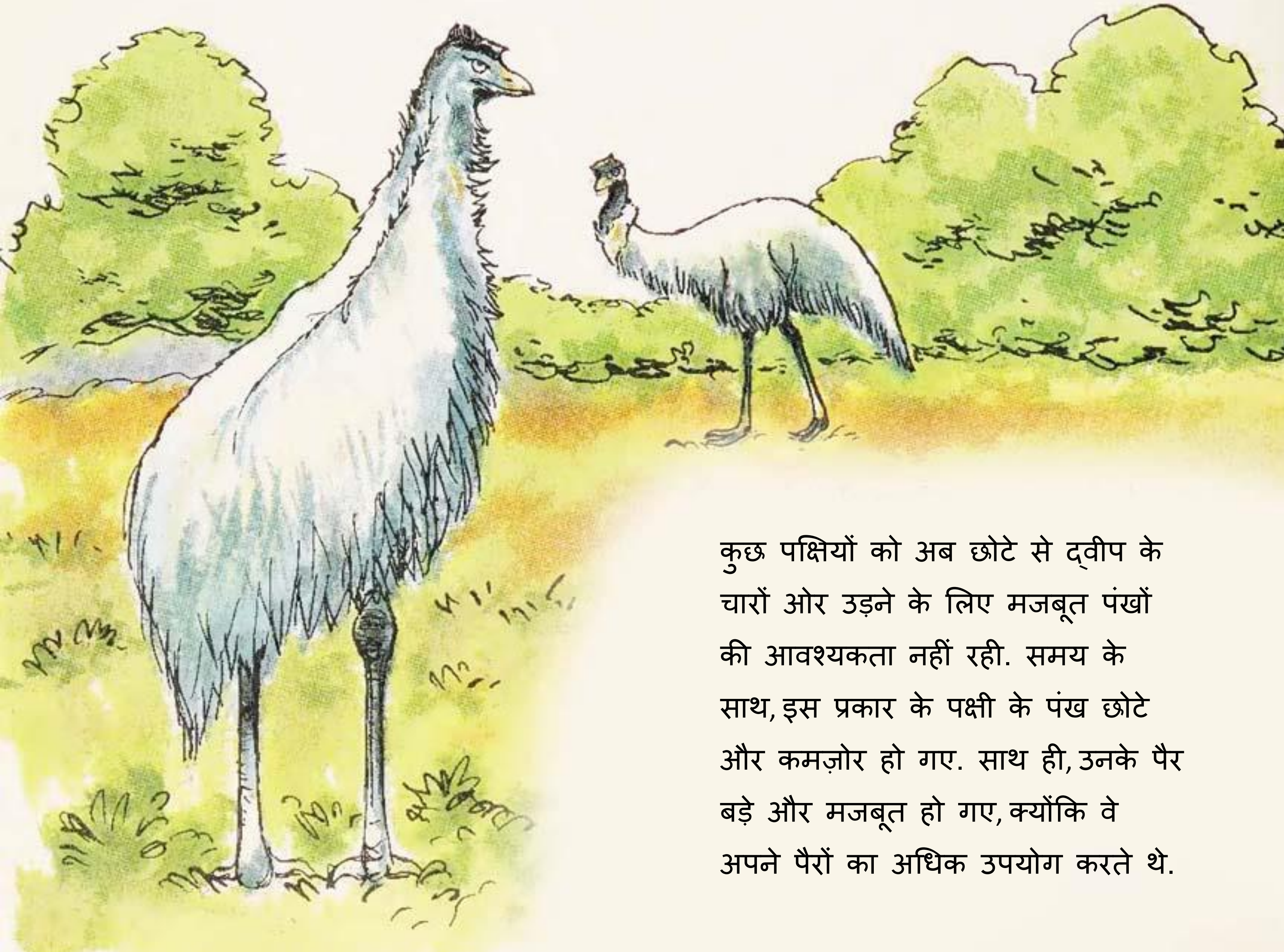
जैसे-जैसे वर्ष बीतते गए, द्वीप पर जीवित चीजों का अपना एक विशेष मिश्रण विकसित हुआ. वहाँ पक्षी, सरीसृप, समुद्री जानवर, कीड़े, झाड़ियाँ और पेड़ थे.



कुछ पौधे, जिन्हें अब मुख्य भूमि के अन्य पौधों के साथ मिट्टी और पानी साझा करने की आवश्यकता नहीं थी, द्वीप पर आश्चर्यजनक रूप से बड़े हो गए. द्वीप की निरंतर हवाओं से मुड़े हुए अन्य पौधों ने नए और सुंदर आकार ले लिए.

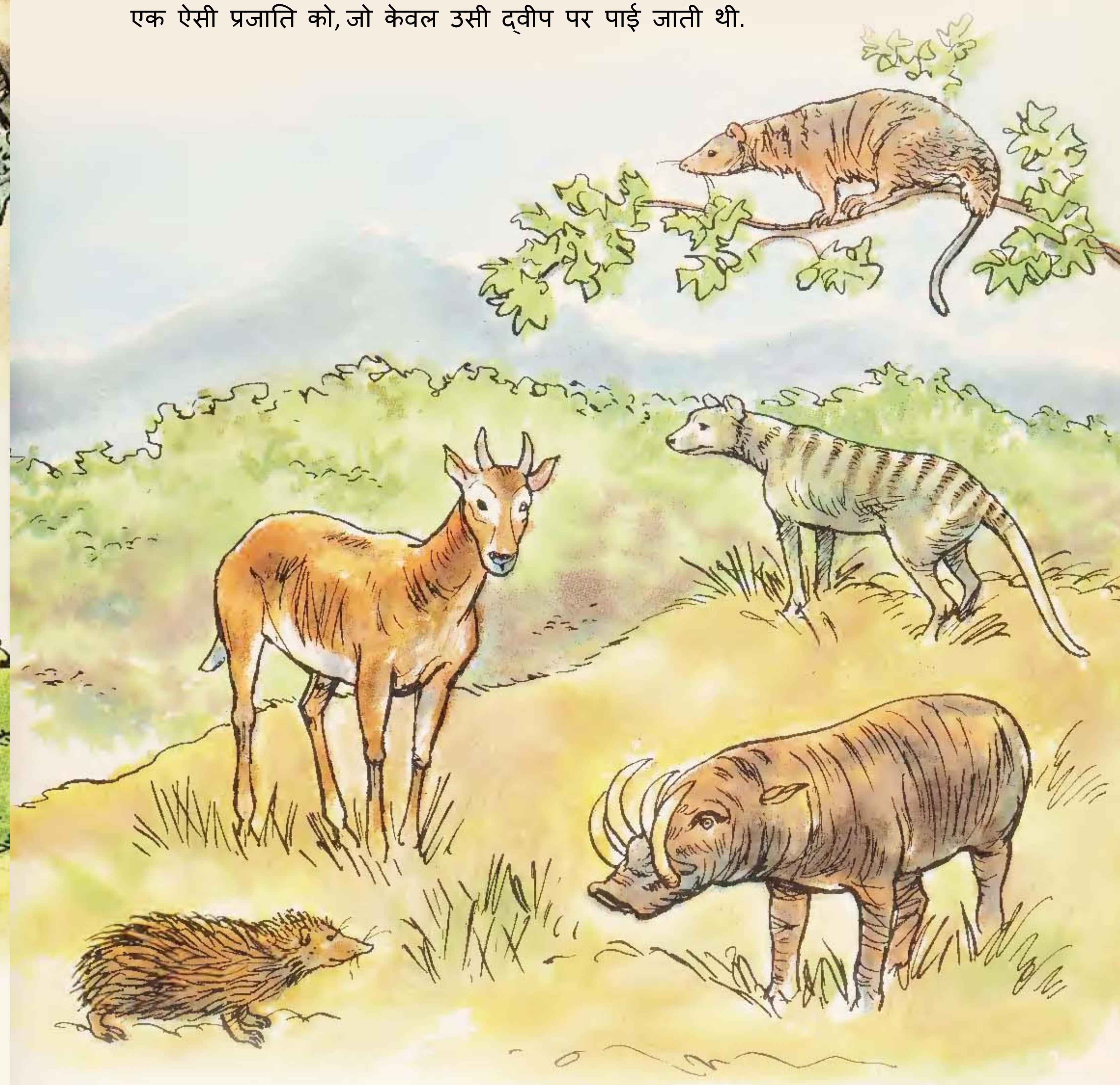
कुछ सरीसृप प्रत्येक नई पीढ़ी के साथ छोटे होते गए, क्योंकि द्वीप पर उन्हें पर्याप्त भोजन खोजने में कठिनाई होती थी. अन्य जीव बड़े और बड़े होते गए, क्योंकि उनके प्राकृतिक शत्रु मुख्य भूमि पर थे और अब वे उनसे बहुत दूर थे.





कुछ पक्षियों को अब छोटे से द्वीप के चारों ओर उड़ने के लिए मजबूत पंखों की आवश्यकता नहीं रही. समय के साथ, इस प्रकार के पक्षी के पंख छोटे और कमज़ोर हो गए. साथ ही, उनके पैर बड़े और मजबूत हो गए, क्योंकि वे अपने पैरों का अधिक उपयोग करते थे.

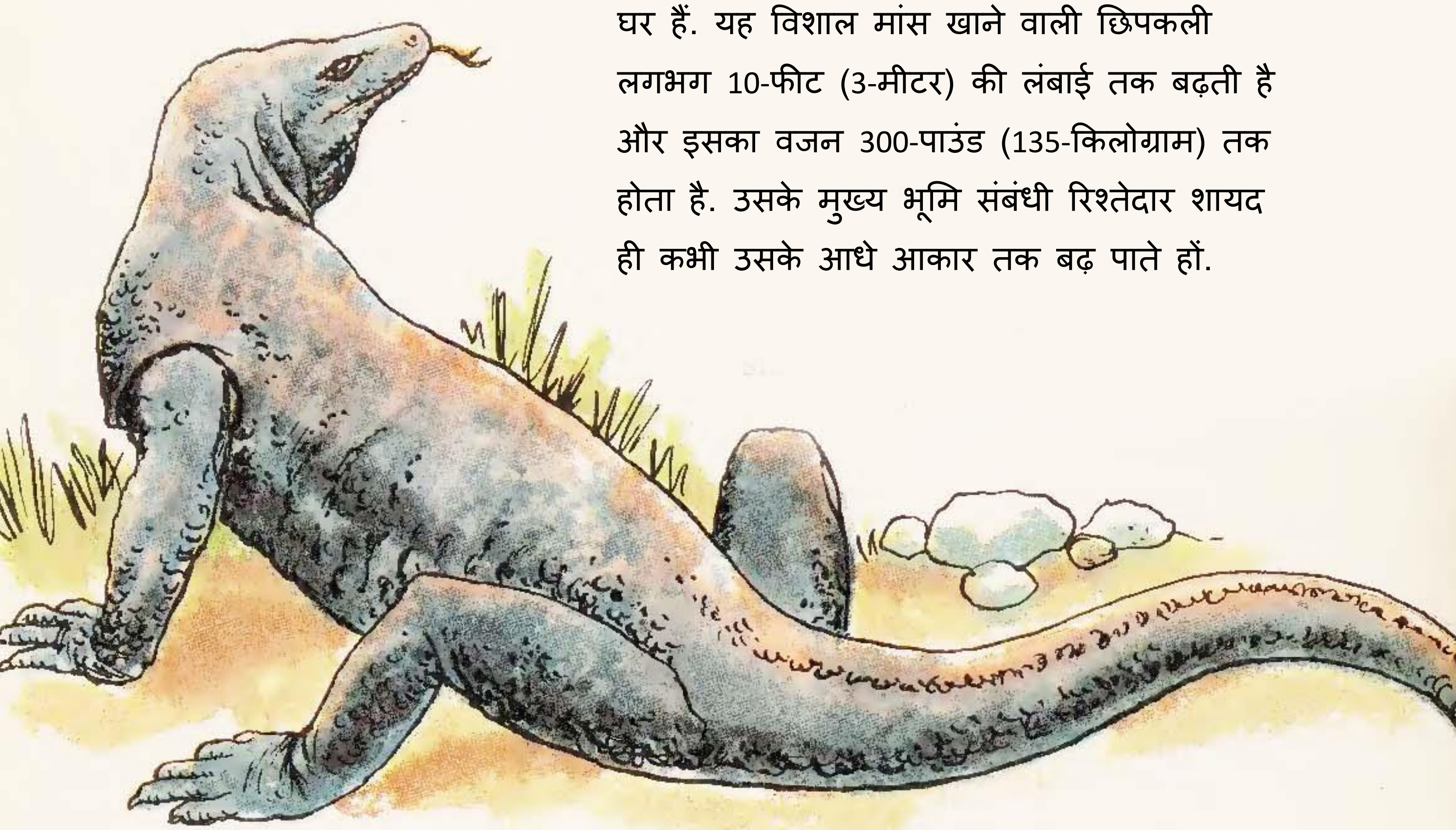
कुछ जानवर, जो समुद्र के कारण अपनी बाकी प्रजातियों से अलग हो गए थे, द्वीप पर कुछ अलग जानवरों के साथ संभोग करते हैं. समय के साथ, उन्होंने एक नए और अलग प्रकार के जानवर को जन्म दिया - एक ऐसी प्रजाति को, जो केवल उसी द्वीप पर पाई जाती थी.

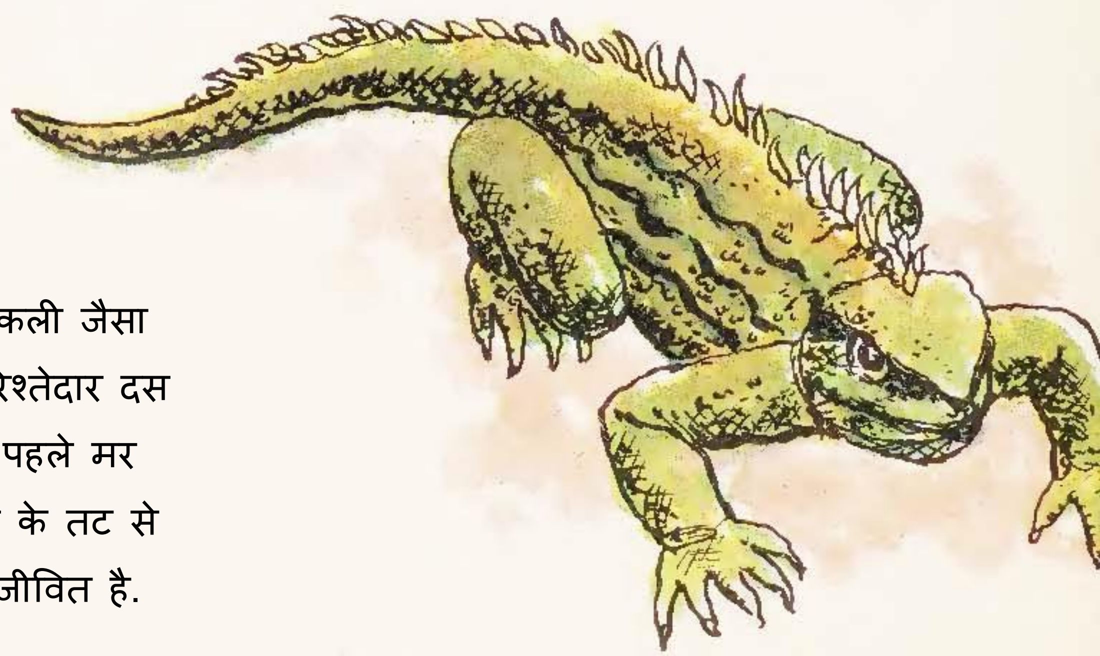


संयोग से द्वीप पर पहुँचे सभी पौधों और जानवरों में से, जो बच गए और संख्या में बढ़ गए, वे ही द्वीप की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में सबसे अच्छे निकले.

कुछ असामान्य द्वीप जानवर कौन से हैं?

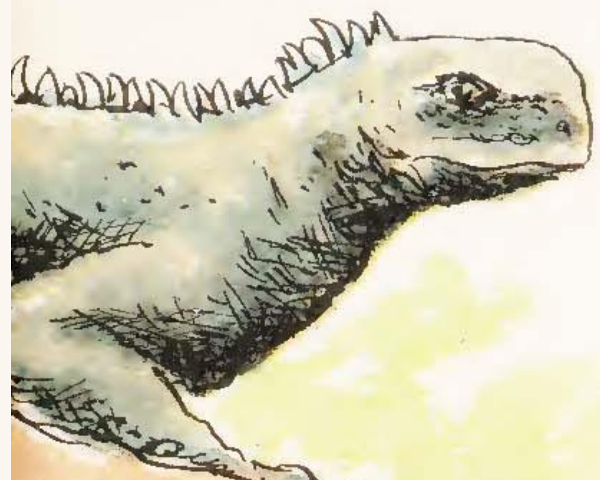
आज ऐसे कई द्वीप हैं जहां अजीब या असामान्य पौधे और जानवर विकसित हो गए हैं. इंडोनेशिया के द्वीप कोमोडो ड्रैगन नामक एक दुर्लभ जीव का घर हैं. यह विशाल मांस खाने वाली छिपकली लगभग 10-फीट (3-मीटर) की लंबाई तक बढ़ती है और इसका वजन 300-पाउंड (135-किलोग्राम) तक होता है. उसके मुख्य भूमि संबंधी रिश्तेदार शायद ही कभी उसके आधे आकार तक बढ़ पाते हों.

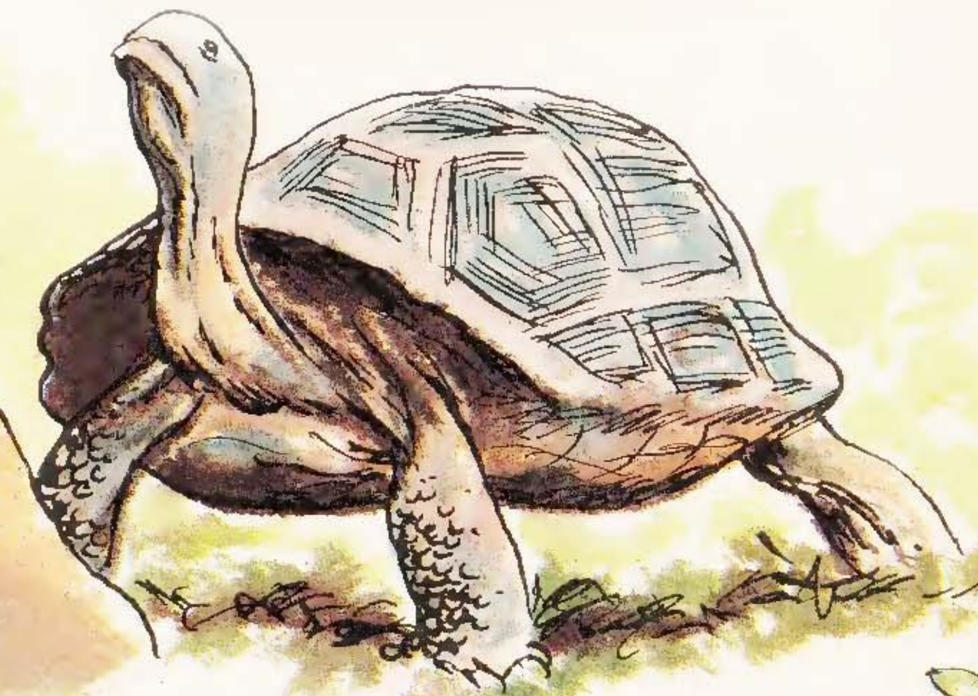


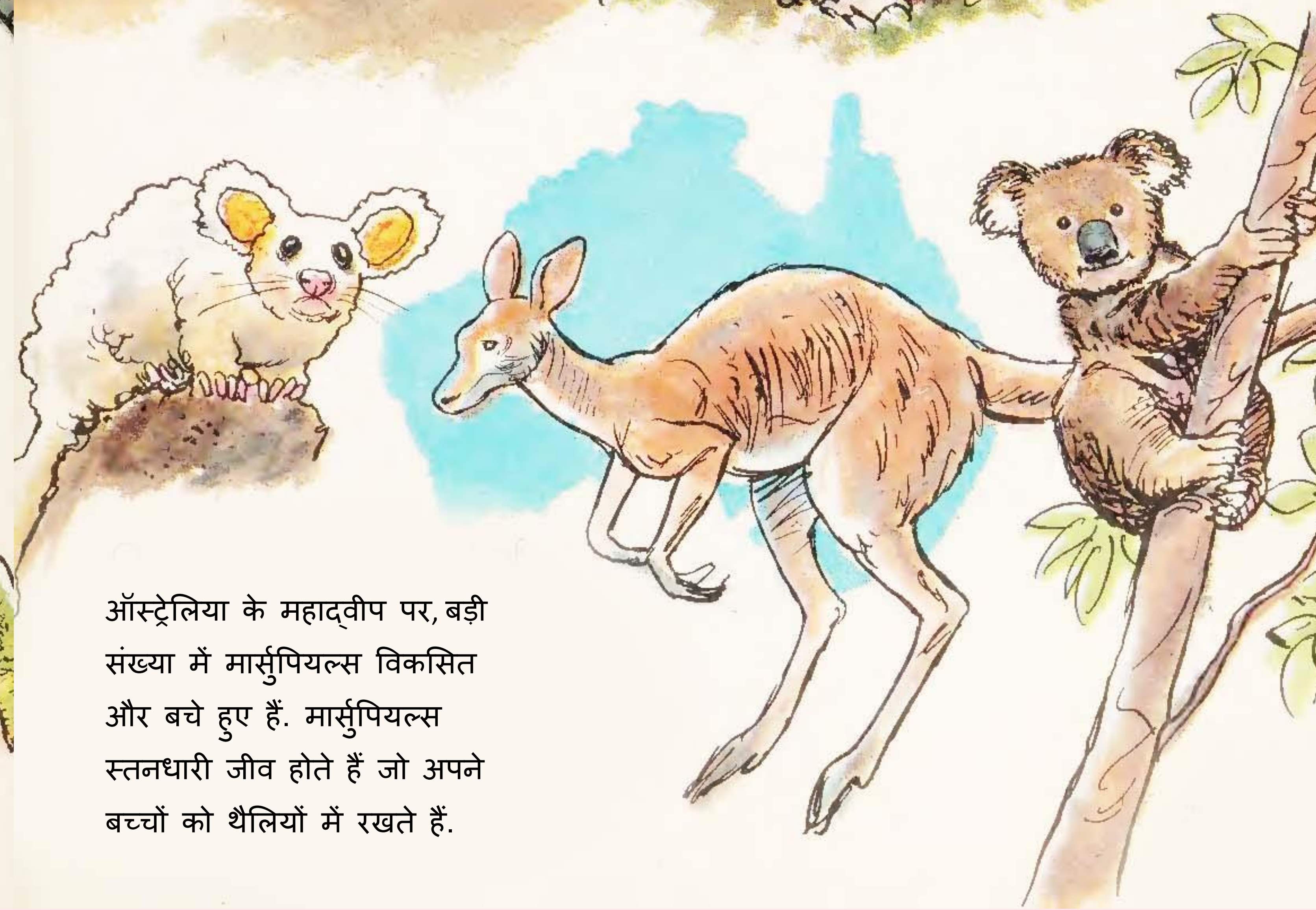


टुआटारा, एक अजीब छिपकली जैसा प्राणी जिसके निकटतम रिश्तेदार दस लाख साल से भी अधिक पहले मर गए थे, अभी भी न्यूज़ीलैंड के तट से दूर कुछ छोटे द्वीपों पर जीवित है.

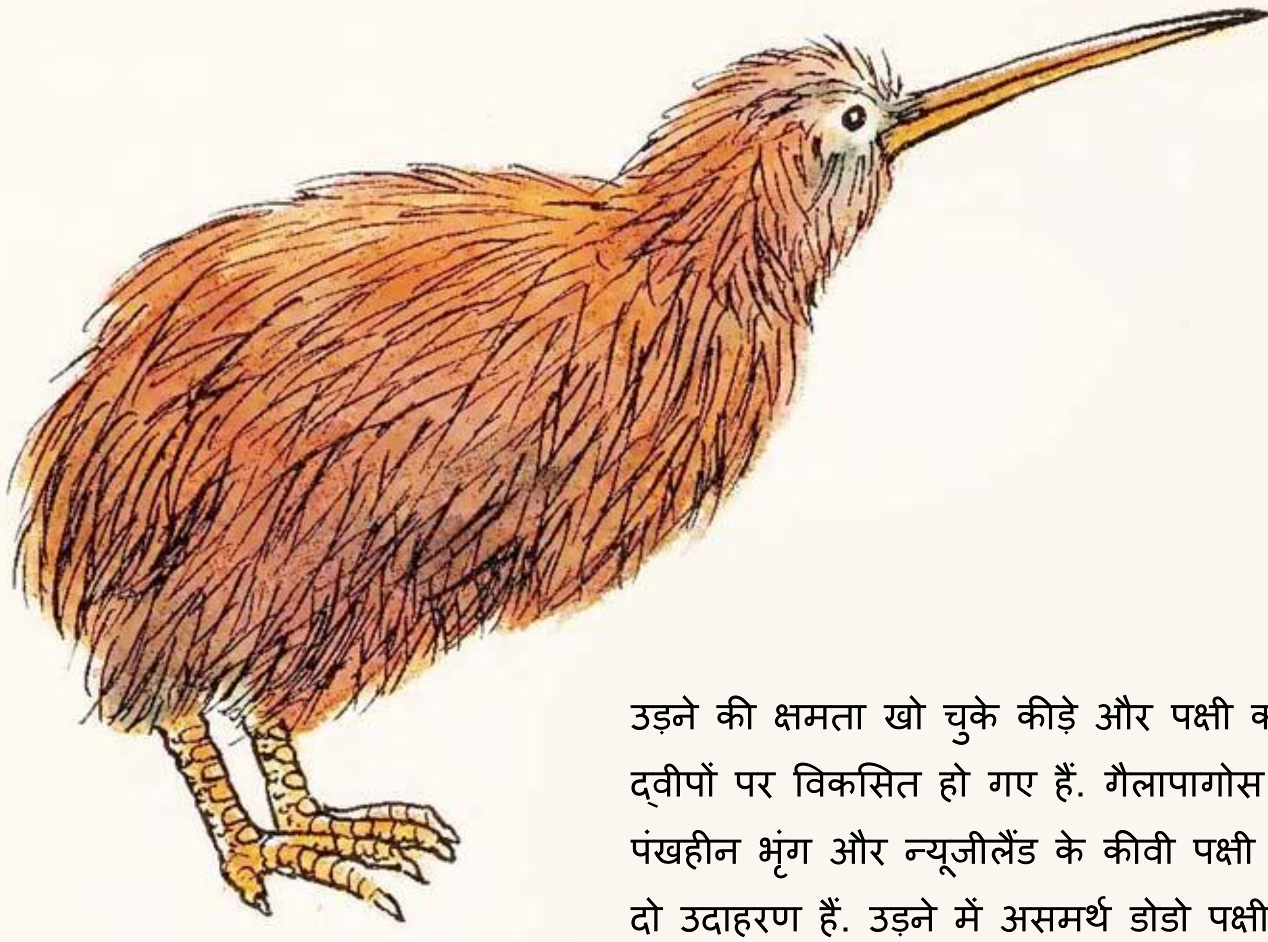
प्रशांत महासागर में गैलापागोस द्वीप समूह शायद प्रकृति की सबसे बेहतरीन जीवित प्रयोगशालाएँ हैं. उन्होंने कई असामान्य जीव पैदा किए हैं, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े भूमि कछुए और दुनिया के एकमात्र समुद्री इगुआना शामिल हैं.



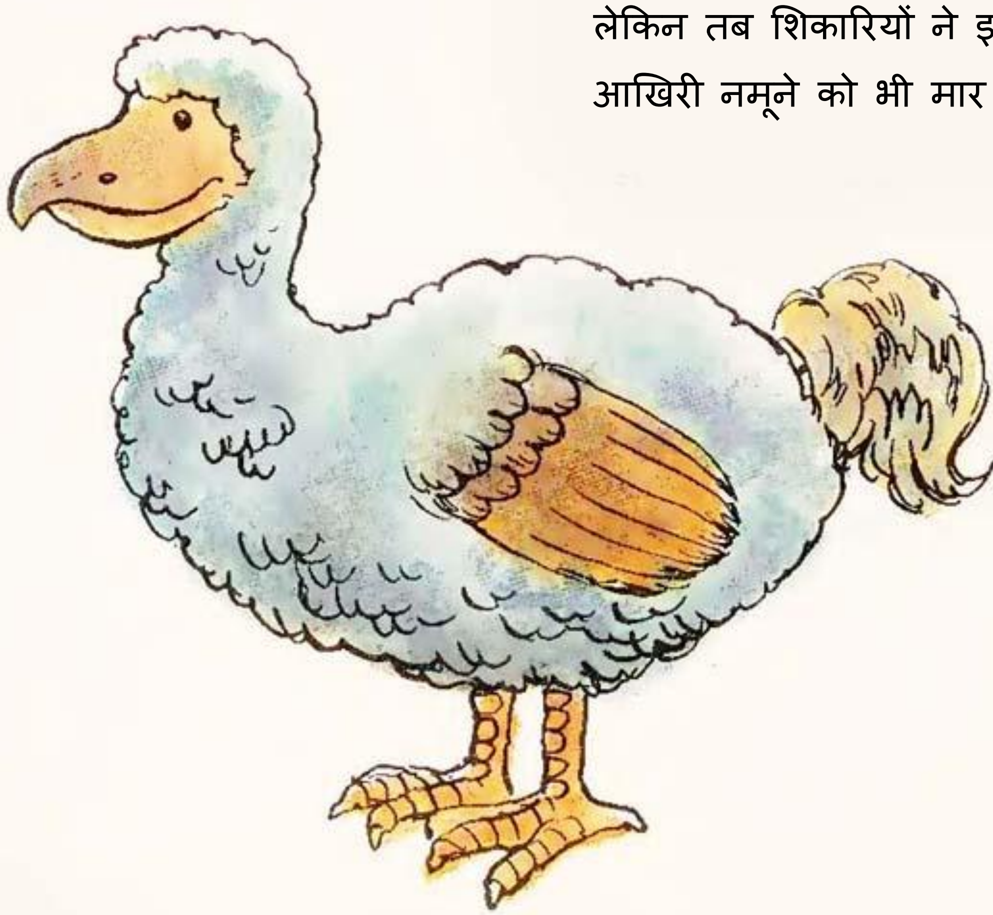




ऑस्ट्रेलिया के महाद्वीप पर, बड़ी संख्या में मार्सुपियल्स विकसित और बचे हुए हैं. मार्सुपियल्स स्तनधारी जीव होते हैं जो अपने बच्चों को थैलियों में रखते हैं.



उड़ने की क्षमता खो चुके कीड़े और पक्षी कई द्वीपों पर विकसित हो गए हैं. गैलापागोस के पंखहीन भृंग और न्यूज़ीलैंड के कीवी पक्षी इसके दो उदाहरण हैं. उड़ने में असमर्थ डोडो पक्षी, हिंद महासागर में मॉरीशस द्वीप पर विकसित हुआ. वो लगभग 300 साल पहले तक जीवित था, लेकिन तब शिकारियों ने इन अजीब पक्षी के आखिरी नमूने को भी मार डाला.



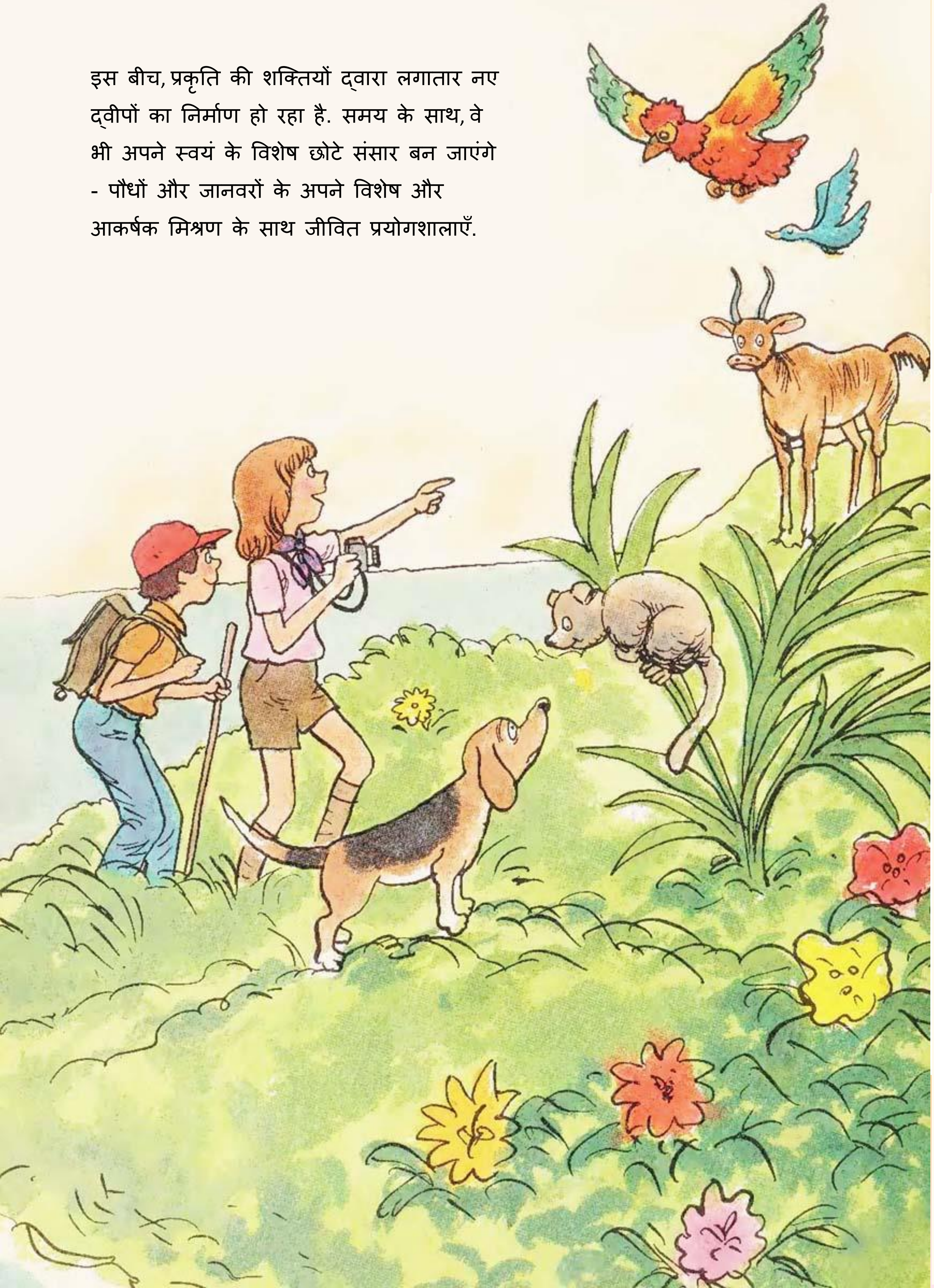
जैसे-जैसे लोगों ने नए द्वीपों की खोज की, वे उन पर बस गए, और उन्होंने अक्सर प्रकृति के नाजुक संतुलन को बिगाड़ा. कभी-कभी लोग ऐसे जानवरों का शिकार करते थे जिनकी ज़रुरत अन्य प्राणियों को जीवित रहने के लिए होती थी. कभी-कभी उनके कुत्ते, बिल्ली, बकरी या सूअर द्वीप के उन जीवों का शिकार करते थे जिनका वहां कोई प्राकृतिक दुश्मन नहीं होता था.

द्वीपों की सुरक्षा के लिए क्या किया जा सकता है?



आज, अधिक से अधिक लोग यह समझने लगे हैं कि हमारे द्वीप और उनके अद्वितीय पौधे और जानवर बेहद विशेष हैं. परिणामस्वरूप, कुछ द्वीपों के कुछ हिस्सों को राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के रूप में संरक्षित किया गया है. अब, द्वीपों के कई प्राणियों को उनकी रक्षा करने वाले कानूनों द्वारा बचाया जा रहा है.

इस बीच, प्रकृति की शक्तियों द्वारा लगातार नए द्वीपों का निर्माण हो रहा है. समय के साथ, वे भी अपने स्वयं के विशेष छोटे संसार बन जाएंगे - पौधों और जानवरों के अपने विशेष और आकर्षक मिश्रण के साथ जीवित प्रयोगशालाएँ.



अंत

